

तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,गुरुवार 12 नवंबर 2026 ■ कार्तिक शुक्ल पक्ष-3 ■ वर्ष -42 ■ अंक-222 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 13 नवंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

कंगना रनौत ने सोनिया गांधी से स्विस खातों को लेकर पूछे सवाल

नई दिल्ली 12 नवंबर। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने गांधी परिवार से जुड़ी घटनाओं के बारे में सोनिया गांधी के बताए गए विवरण पर तंज कसा है। बायोग्राफी को सेल्फ-गोल बताते हुए कंगना ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने अपना सेल्फ-गोल टैलेंट अपनी मां से विरासत में पाया है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ये बातें लिखीं, जिनमें उन्होंने राजीव गांधी की मौत, मेनका गांधी के परिवार से अलग होने और सोनिया गांधी की नागरिकता को लेकर टिप्पणी की। साथ ही उन्होंने स्विस बैंक खातों को लेकर बिना सबूत के आरोप भी लगाए। पहली स्टोरी में कंगना ने लिखा, सोनिया गांधी की बायोग्राफी एक ऐसा सेल्फ-गोल है। वह बताती हैं कि राजीव गांधी की मौत वाले दिन थकान और सुस्ती जैसे कारणों का हवाला देते हुए वे उनके साथ जाने से कैसे बचीं। तो अब हमें पता चल गया कि राहुल गांधी को अपना सेल्फ-गोल टैलेंट कहां से मिला है। उन्हें यह अपनी मम्मी से मिला है।

उन्होंने अगली स्टोरी में लिखा, राजीव सिर्फ एक शर्त पर सोनिया गांधी के पास वापस आने के लिए सहमत हुए। मेनका को जाना होगा। यह मेनका के लिए भी चौंकाने वाला था, खासकर इसलिए क्योंकि इसी समय, संजय की मौत के बाद, सोनिया गांधी ने भारत में 15 साल रहने के बाद भारतीय नागरिकता हासिल करने का फैसला किया।

कंगना ने जिक्र किया कि मेनका गांधी कहती हैं कि वह और इंदिरा गांधी दोनों एक तीसरे व्यक्ति की शिकार थीं।

उन्होंने लिखा, वह तीसरा व्यक्ति कौन था? 22 साल की विधवा मेनका को बताया गया कि उन्हें जाना होगा और वह दूसरों के साथ एक ही टेबल पर बैठ भी नहीं सकतीं। सोनिया गांधी अपनी बायोग्राफी में बताती हैं कि ऐसा इसलिए था क्योंकि मेनका के विपक्ष में दोस्त थे। लेकिन हर कोई जानता है कि राजीव गांधी को राजनीति में दिलचस्पी भी नहीं थी और वह प्रधानमंत्री की भूमिका में जबरन लाए जाने के बारे में काफी खुले थे। तो, मेनका को बाहर कौन चाहता था?

अभिषेक बनर्जी के घर के सामने बना बांस का ढांचा हटाया गया

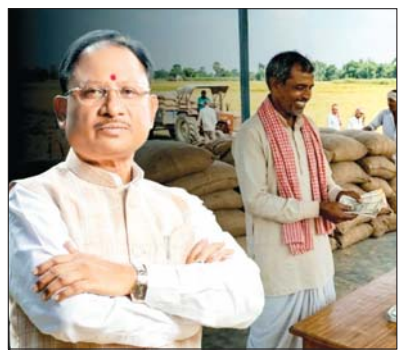
कोलकाता 12 नवंबर। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के कर्मचारियों ने कोलकाता पुलिस की मदद से गुरुवार को ममता-तृणमूल कांग्रेस महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित आवास के सामने बना अस्थायी बांस का ढांचा हटा दिया। अस्थायी बांस के ढांचे को हटाने की प्रक्रिया बुधवार शाम को तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुरू की थी। हालांकि, यह प्रक्रिया बाद में पूरी हुई, जब गुरुवार सुबह केएमसी कर्मचारी पुलिस के साथ बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंचे और ढांचे को गिराकर हटा दिया। पूरी तोडफ़ोड़ का काम भारी पुलिस बल की मौजूदगी में किया गया, जो किसी भी तरह के तनाव को बढऩे से रोकने के लिए वहां मौजूद थे।

डायमंड हार्बर के सांसद के आवास की बाउंड्री वॉल के बाहर लंबे समय से लगा हुआ एक लोहे का गेट भी हटा दिया गया। पहले केएमसी कर्मचारियों ने गैस कटर से लोहे के गेट को काटा और फिर उसे हटा दिया।

प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम उपज होने पर भी मिलेगा पूरा बोनस

रायपुर,12 नवंबर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी से पहले किसानों के लिए राहत की खबर सामने आई है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में अब किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान बेचने की अनिवार्यता से राहत मिलने जा रही है। यदि किसान की पैदावार कम होती है और वह निर्धारित सीमा से कम धान बेचता है, तब भी उसे शेष पात्र मात्रा पर कृषक उन्नति योजना के तहत आदान सहायता राशि मिल सकेगी। इससे कम उत्पादन होने पर किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाने में मदद मिलेगी। साथ ही बिचौलियों पर भी लगाम लगेगी। राज्य सरकार ने कृषक उन्नति योजना के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। इसके तहत धान पर मिलने वाली आदान सहायता राशि को प्रति क्विंटल के बजाय प्रति एकड़ के आधार पर निर्धारित करने का प्रावधान किया गया है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के लाखों किसानों को फायदा मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था को एक उदाहरण से समझें। मान लीजिए किसी किसान के पास एक एकड़ जमीन है और वह अधिकतम 21 क्विंटल धान बेचने का पात्र है। लेकिन कम पैदावार के कारण वह केवल 15 क्विंटल धान ही उपार्जन केंद्र में बेच पाता है। ऐसी स्थिति में किसान को बेचे गए 15 क्विंटल धान का समर्थन मूल्य मिलेगा। वहीं, योजना के निर्धारित नियमों के अनुसार शेष 6 क्विंटल के बराबर आदान

बिचौलियों पर लगेगी लगाम



सहायता का लाभ भी मिल सकेगा। इसका मतलब है कि अब किसानों को योजना का पूरा लाभ लेने के लिए बाजार से अतिरिक्त धान खरीदने की मजबूरी नहीं होगी। अब तक कई क्षेत्रों में किसानों की वास्तविक पैदावार 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम होती थी। ऐसे में निर्धारित सीमा तक धान बेचने के लिए कुछ किसानों को बाहर से धान खरीदना पड़ता था। इस स्थिति का फायदा बिचौलिए और दलाल उठाते थे। बताया जाता है कि बिचौलियों के माध्यम से 2100 से 2400 रुपये प्रति क्विंटल तक धान खरीदकर उपार्जन केंद्रों में खपाया जाता था। इससे अवैध कारोबार को बढ़ावा मिलता था। नई व्यवस्था लागू होने से इस तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

केंद्र सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए सामान्य धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2441 रुपये और ग्रेड-ए धान का समर्थन मूल्य 2461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। पिछले साल की तुलना में समर्थन मूल्य में 72 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, छत्तीसगढ़ सरकार कृषक उन्नति योजना के तहत आदान सहायता राशि जोड़कर किसानों को कुल 3100 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से लाभ देने की व्यवस्था कर रही है।

पुराने पंजीयन से भी किसान बेच सकेंगे धान-धान खरीदी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सरकार ने पंजीयन व्यवस्था में भी राहत दी है। एग्रीस्टेक आईडी से जुड़े पिछले साल के पंजीकृत किसानों का पंजीयन इस बार भी मान्य रहेगा। इससे किसानों को दोबारा पंजीयन और दस्तावेज जमा करने की परेशानी से राहत मिलेगी। इसके अलावा डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से धान के वास्तविक रकबे का निर्धारण किया जा रहा है। खरीदी केंद्रों में बायोमेट्रिक सत्यापन की व्यवस्था भी लागू की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए इस साल 360 नए धान उपार्जन केंद्र शुरू किए गए हैं। इसके बाद प्रदेश में कुल 3100 केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी।

15 नवंबर से होगी धान खरीदी,तैयारियां पूरी: साय

रायपुर,12 नवंबर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज भोपाल दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। भोपाल रवाना होने से पहले उन्होंने मीडिया से बात की। इस दौरान CM साय ने धान खरीदी को लेकर कहा कि सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। धान खरीदी की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू की जा रही है। सरकार इसकी तैयारियों को लेकर पूरी तरह से तैयार है। वहीं जनजाति गौरव दिवस को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को पूरे देश में जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाई जाती है। यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय है कि प्रदेश में भी इस अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में जनजाति गौरव दिवस समारोह का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी शामिल होंगे।

बता दें कि CM साय भोपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की स्वर्गीय माता की तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होंगे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान की माता जी का तेरहवीं कार्यक्रम है। इसमें शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने जा रहे हैं।

सैम पित्रोदा ने एसआईआर आंदोलन को बताया बेअसर

नई दिल्ली,12 नवंबर। कांग्रेस पार्टी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भले ही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के खिलाफ अपने आंदोलन को सफल बता रहे हों, लेकिन उनकी ही पार्टी के दिग्गज नेता इससे अलग राय रखते हैं। कांग्रेस ओवरसीज के प्रमुख सैम पित्रोदा का कहना है कि एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन नई पीढ़ी यानी कि जेन-जी के बीच कोई खास असर नहीं डाल पाया है। पित्रोदा के मुताबिक, युवाओं के लिए मतदाता सूची में सुधार की तुलना में शिक्षा और रोजगार कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। सैम पित्रोदा ने कहा, "भारतीय युवा एसआईआर के मुद्दे के बजाय रोजगार और शिक्षा पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। यही वजह है कि SIR के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों में NEET जैसे पिछले छात्र आंदोलनों की तुलना में काफी कम तेजी देखने को मिली है।" उन्होंने राहुल गांधी द्वारा हाल के दिनों में की गई रैलियों का आकलन करते हुए कहा कि युवा



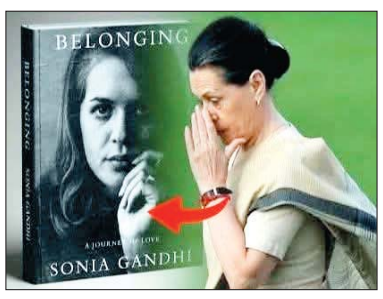
पीढ़ी रोजगार, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देती है। सैम पित्रोदा ने विरोध प्रदर्शनों में बाहरी प्रभाव के दावों को खारिज कर दिया और कहा कि युवाओं को भारत के ऐतिहासिक नेताओं से प्रेरणा मिली है।

अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं राहुल गांधी-आपको बता दें कि राहुल गांधी अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में सैम पित्रोदा ने इसकी जानकारी दी है। पित्रोदा ने कहा, "पहला कार्यक्रम 17 नवंबर को कोलंबिया विश्वविद्यालय में अनौपचारिक चर्चा का है, जिसमें मुख्य रूप से दुनियाभर में छात्र आंदोलनों के बढ़ते प्रभाव, इनके मायने, भारत में इन्हें किस नजरिये से देखा जाता है, लोकतंत्र पर इनके प्रभाव तथा शिक्षा, रोजगार, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण से जुड़ी छात्रों की मांगों पर बातचीत होगी। मुझे विश्वास है कि इस चर्चा का उचित समय पर प्रसारण भी किया जाएगा।" उन्होंने कहा, "दूसरा कार्यक्रम 18 नवंबर को प्रतिष्ठ प्रोफेसर डॉ. (रॉबर्ट) पेप के साथ शिकागो विश्वविद्यालय में होगा। पेप भू-राजनीति के क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध हैं और पश्चिम एशिया, ईरान युद्ध एवं अन्य मुद्दों पर उनका एक अलग नजरिया है। इसलिए दूसरी बातचीत मुख्य रूप से भू-राजनीति और वैश्विक मामलों पर केंद्रित होगी।"

अपनी ही किताब में सोनिया गांधी का खुलासा

बाबरी विध्वंस देखकर आया था रोना

नई दिल्ली,12 नवंबर। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की नई किताब _Belonging: A Journey of Love_ में बाबरी मस्जिद विध्वंस को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा है कि 6 दिसंबर 1992 को जब उन्होंने टेलीविजन पर अयोध्या में बाबरी मस्जिद का ढांचा गिरते हुए देखा, तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। उन्होंने लिखा है कि उस दिन उन्हें महसूस हुआ कि महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के धर्मनिरपेक्ष भारत को बचाने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी होगी। किताब में बाबरी विध्वंस को भारत की राजनीति का टर्निंग पॉइंट बताया गया है। किताब के इस हिस्से के सामने आने के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी



तेज हो गई है। भाजपा ने किताब को व्हाइटवॉशिंग बताते हुए सवाल उठाए हैं, वहीं कांग्रेस ने इसे सोनिया गांधी की निजी यादें बताया है। सोनिया गांधी की किताब _Belonging: A Journey of Love_ के सामने आने के बाद बीजेपी ने तीखा हमला बोला है बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने कहा कि किताब का नाम _Belonging_ नहीं _Whitewashing_ होना चाहिए था। इसका मकसद नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस की ऐतिहासिक गलतियों पर पर्दा डालना है।

उन्होंने सवाल उठाया कि सोनिया गांधी ने बाबरी के लिए आंसू बहाए, लेकिन क्या 1984 के सिख विरोधी दंगों, बाटला हाउस में शहीद हुए जवानों और 26/11 मुंबई हमले के पीड़ितों के लिए भी आंसू बहाए? बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि सोनिया गांधी के बयान से पता चलता है कि बाबर तब भी कांग्रेस के दिल में था और आज भी वहीं है। उन्होंने गांधी परिवार के सदस्यों के बाबर की कब्र पर जाने का भी जिक्र किया।

बिहार के हाजीपुर में गंगा के कटाव ने बदली छठ पूजा की परंपरा

हाजीपुर 12 नवंबर। बिहार के हाजीपुर में गंगा नदी में कटाव और बाढ़ की तबाही का असर अब लोक आस्था के महापर्व छठ पर भी दिखाई देने लगा है। कभी गंगा किनारे स्थित घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते थे, लेकिन इस बार हालात पूरी तरह बदल गए हैं। नदी में लगातार हो रहे कटाव के कारण करीब 20 गांवों के लोगों को अपने पारंपरिक छठ घाटों से दूरी बनानी पड़ रही है। सुरक्षा को देखते हुए इन गांवों के श्रद्धालु अब अपने घरों और गांवों में ही कृत्रिम छठ घाट बनाकर पूजा-अर्चना करने की तैयारी कर रहे हैं।

7 करोड़ दो वरना मार देंगे

केजरीवाल और उनकी बेटी को धमकी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर फोन

नई दिल्ली,12 नवंबर। आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता केजरीवाल को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर दी गई है। इसके साथ ही सात करोड़ रुपये की रंगदारी भी मांगी गई है। दिल्ली के तिलक नगर के विधायक जरनैल सिंह को धमकी भरे फोन कॉल और व्हाट्सऐप मैसेज मिले। इसके बाद उन्होंने 6 नवंबर को मोहाली पुलिस में मामला दर्ज करवाया। पुलिस आरोपी तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। पता चला है कि आरोपी हरियाण के रोहतक का रहने वाला है। हालांकि पुलिस ने अभी तक आधिकारिक तौर पर



इसकी पुष्टि नहीं की है। मामले की जांच साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर सुनील कुमार को सौंपी गई है। विधायक जरनैल सिंह ने 6 नवंबर को मोहाली के एसएसपी को दी शिकायत में बताया कि उनके मोबाइल नंबर पर कॉल आई और व्हाट्सऐप पर भी धमकी भरे संदेश मिले। व्हाट्सऐप पर आरोपी का प्रोफाइल नाम एच दिखाई दे रहा था। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए कहा, 'अरविंद केजरीवाल को सात करोड़ रुपये देने के लिए कह दो नहीं तो उन्हें और उनकी बेटी को जान से मार दिया जाएगा।' आरोपी ने फोन पर धमकी देने के साथ उसी मोबाइल नंबर से व्हाट्सऐप मैसेज भी भेजा। इसमें भी सात करोड़ रुपये की मांग करते हुए हत्या की धमकी दोहराई गई। विधायक जरनैल सिंह ने आरोपी के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल रिकॉर्ड, आईपी लॉग और लोकेशन ट्रेस कराने की मांग की। अरविंद केजरीवाल और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की मांग भी की है। आपको बता दें कि इससे पहले साल 2024 के मई में भी केजरीवाल को जान से मारने की धमकी मिली थी। तब मेट्रो ट्रेन के कोच के भीतर कई मैसेज लिखे गए थे और उन्हें जान से मारने की बात कही गई थी।

आधी रात PNB में इमरजेंसी अलार्म बजने से मचा हड़कंप

रायपुर,12 नवंबर। राजधानी रायपुर के सदानी दरबार स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा में गुरुवार देर रात अचानक इमरजेंसी अलार्म बजने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही रात्रि गश्त में तैनात पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बैंक परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार, 12 नवंबर की दरम्यानी रात करीब 2 से 2:30 बजे के बीच बैंक में अचानक इमरजेंसी अलार्म बजने लगा। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, थाना प्रभारी



अभनपुर आशीष यादव और माना थाना की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने बैंक परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही इमरजेंसी अलार्म बजने के कारणों और सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई। इस दौरान बैंक मैनेजर को मौके पर बुलाकर बैंक की सुरक्षा व्यवस्था में पाई गई कमियों से अवगत कराया गया। विशेष रूप से बैंक के पीछे के हिस्से में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने, आवश्यक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और अन्य सुरक्षा संबंधी कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए, ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को रोका जा सके।

रायपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा रात्रि के समय सार्वजनिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, बैंक, एटीएम तथा संवेदनशील स्थानों पर लगातार गश्त एवं निगरानी की जा रही है। पुलिस की सक्रियता, सतर्कता एवं त्वरित रिस्पॉन्स के परिणामस्वरूप क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहायता मिल रही है।

शेख हसीना की वापसी से पहले बांग्लादेश में बम विस्फोट, नाकाबंदी, आगजनी

ढाका,12 नवंबर। सड़कों पर देसी बम फट रहे हैं, बसें आग की लपटों में घिर रही हैं, राजमार्ग अवरुद्ध हैं और प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ रहे हैं। बांग्लादेश में ढाका, गाजीपुर, गोपालगंज, शरियतपुर और अन्य जिलों में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। सुरक्षा बलों ने सैकड़ों गिरफ्तारियां की हैं। इस अशांति के पीछे बांग्लादेशी अधिकारियों को एक जानी-पहचानी ताकत, अवामी लीग और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का हाथ नजर आ रहा है। यह हिंसा भारत में निर्वासन से बांग्लादेश लौटने से ठीक एक महीने पहले हुई है, जिससे देश में और अधिक हिंसा भड़कने की आशंका बढ़ गई है। देश अभी भी उन घातक प्रदर्शनों से उबर रहा है जिनके कारण अगस्त 2024 में उन्हें सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। ताजा घटना गुरुवार (12 नवंबर) की सुबह सामने आई, जब कुश्तिया से आरक्षित महिला सीट से एनसीपी सांसद नुसरत तबस्सुम के घर पर आधी रात के आसपास अवामी लीग कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर पेट्रोल बम फेंके जाने के बाद आग लगा दी गई।

एक दिन पहले, बुधवार (11 नवंबर) को, ढाका में दो बसों और एक ट्रक को आग लगा दी गई, जबकि पबना सदर में ग्रामीण बैंक की एक शाखा को जला दिया गया, जैसा कि द डेली स्टार ने बताया। ढाका स्थित अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड के अनुसार, ये घटनाएं 9 और 10 नवंबर को पूरे बांग्लादेश में आगजनी और कच्चे बम विस्फोटों की कम से कम 22 घटनाओं के बाद हुईं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अकेले ढाका में 1 से 8 नवंबर के बीच कम से कम 15 कच्चे बम विस्फोट हुए। बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर सड़क हिंसा कोई



नई बात नहीं है, लेकिन इन घटनाओं का समय महत्वपूर्ण है। हसीना, जो अगस्त 2024 में बांग्लादेश छोड़ने के बाद से भारत में रह रही हैं, ने इस साल अगस्त में घोषणा की थी कि वह दिसंबर तक अपने देश लौटना चाहती हैं। उनकी वापसी से नए सिरे से उथल-पुथल मच सकती है क्योंकि उन्हें मौत की सजा का सामना करना पड़ रहा है, उनकी अवामी लीग पर प्रतिबंध जारी है, और उनके समर्थक और विरोधी उनके भविष्य को लेकर बंटे हुए हैं।

हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बाद, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने हसीना की अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया और प्रदर्शनकारियों पर हुए घातक दमन के लिए कानूनी कार्यवाही शुरू की। नवंबर 2025 में एक न्यायाधिकरण ने हसीना को उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। इस सजा को उन्होंने राजनीतिक रूप से प्रेरित बताकर खारिज कर दिया है, इसके बावजूद हसीना अब बांग्लादेश लौटने का इरादा रखती हैं। उनकी वापसी की चर्चा के बीच, देश में नए बम विस्फोट, आगजनी और अशांति फैल गई है।

दिवाली पर सूर्य विहार में पटाखा बम धमाके और तोड़फोड़ से दहशत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भिलाई, 12 नवंबर। दिवाली के उल्लास के बीच सूर्य विहार आवासीय परिसर में असामाजिक तत्वों की कथित उपद्रवी गतिविधियों ने रहवासियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पटाखा बमों से किए गए विस्फोट में जहां चार मकानों के शीशे टूट गए, वहीं जलापूर्ति पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से तीन टावरों के 70 से अधिक रहवासियों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, 8 नवंबर की रात करीब 11 बजे सूर्य विहार टावर चार युवकों ने दो बड़े पटाखा बमों को जोड़कर विस्फोट किया। धमाका इतना तेज था कि आसपास की इमारतें दहल गईं। चार मकानों की खिड़कियों के कांच टूट गए तथा एक मकान का एग्जॉस्ट फैन भी क्षतिग्रस्त हो गया। एक महिला रहवासी ने बाहर आकर उपद्रवियों का विरोध किया, जिसके बाद वे मौके से भाग निकले। अगले दिन 9 नवंबर की शाम करीब 6-30 बजे कथित रूप से नशे की हालत में कुछ युवक दोबारा परिसर पहुंचे। महिला और एक अन्य रहवासी द्वारा पिछली घटना पर सवाल उठाने पर उन्होंने विवाद करते हुए बड़ा नुकसान पहुंचाने और अंजाम भुगतने की धमकी दी। इसी दौरान मुख्य जलापूर्ति पाइपलाइन पर पटाखा रखकर विस्फोट किए जाने से पाइपलाइन फट गई और ओवरहेड टैंक का पानी बह गया। इससे तीनों टावरों के 70 से अधिक रहवासियों की जलापूर्ति प्रभावित हुई और उन्हें कई घंटों तक परेशानी उठानी पड़ी। घटनाओं से आक्रोशित रहवासियों ने पुलिस प्रशासन से सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी तथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ग्रीन पटाखों को बढ़ावा देने, पटाखा निर्माण से जुड़े श्रमिकों के लिए वैकल्पिक रोजगार, डिजिटल माध्यम से आतिशबाजी के विकल्प और दीपावली को दीपों का पर्व बनाने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने जैसे सुझाव भी दिए हैं।

महिला से पर्स छीनने वाला गिरफ्तार



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 12 नवंबर। नेशनल हाईवे-53 और व्यस्त सड़कों पर अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर पर्स, मोबाइल और जेवर झपटने वाले अंतरथाना स्नैचर को पुलिस ने रंगे हाथ धर दबोचा डबरापारा क्षेत्र में जाल बिछाकर सादे कपड़ों में तैनात जवानों की मौजूदगी में आरोपी ने जैसे ही एक महिला के पर्स पर झपट्टा मारा, पुलिस ने पीछा कर उसे घेर लिया खुद को फंसा देख आरोपी बाइक छोड़कर पैदल भागा, लेकिन सतर्क टीम ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया इस गिरफ्तारी से दुर्ग जिले के चार थाना क्षेत्रों में हुई झपटमारी की सात वारदातों की गुत्थी सुलझ गई है डबरापारा में बिछाया था जाल खुर्सीपार टीआई लक्ष्मण केवट ने बताया कि खुर्सीपार क्षेत्र में लगातार हो रही वारदातों को देखते हुए खुर्सीपार थाना और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) की संयुक्त टीम गठित की गई थी। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी इनपुट के आधार पर संदिग्ध की पहचान कर डबरापारा में पुलिसकर्मियों को आम नागरिकों की तरह सादे कपड़ों में तैनात किया गया था। इस दौरान डीएमसी तालाब कुम्हारी निवासी लक्ष्मण राव (29 साल) वारदात करने पहुंचा और सीधे पुलिस के शिकंजे में आ गया चार थानों में दर्ज हैं अपराध पूछताछ में आरोपी ने खुर्सीपार के तुलसी ट्रेडर्स के सामने व डवरापारा ओवरब्रिज, पुरानी भिलाई में हाईवे, जामुल के नंदनी रोड, छावनी क्षेत्र में पावर हाउस ओवरब्रिज तथा सुपेला के चंद्रा-मौर्या टॉकीज व ओवरब्रिज के पास महिलाओं से लूट व झपटमारी की बात स्वीकार की है 3.60 लाख का माल व बाइक जब्त पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 3 लाख 60 हजार रुपए मूल्य का मशरूका बरामद किया है इस में वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, पांच ग्राम का सोने का सिक्का, टूटा हुआ सोने का मंगलसूत्र, 4 एंड्रॉइड मोबाइल, 2 लेडीज पर्स और 1300 रुपए नकद शामिल हैं इसके अलावा विभिन्न पीड़ितों के दस्तावेज, बैंक पासबुक, चेकबुक और एटीएम कार्ड भी बरामद किए गए हैं।

एक नजर

गौरा-गौरी विसर्जन में शामिल हुए दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव

दुर्ग, 12 नवंबर । दीपावली पर्व के उल्लास और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपराओं के बीच स्?कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक श्री गजेन्द्र यादव दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर आयोजित गौरा-गौरी विसर्जन कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने कसारीडीह सिविल लाइन एवं डिपरापारा में आयोजित पारंपरिक गौरा-गौरी विसर्जन कार्यक्रम में सहभागिता कर पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किये। कसारीडीह सिविल लाइन से निकली पारंपरिक गौरा-गौरी विसर्जन यात्रा में शामिल होकर मंत्री श्री यादव ने क्षेत्रवासियों के साथ इस पावन पर्व की खुशियाँ साझा कीं। वहीं डिपरापारा में आयोजित गौरा-गौरी विसर्जन कार्यक्रम में पूजा-अर्चना कर लोक आस्था और परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट किये। इस दौरान उन्होंने दुर्ग के परिवारजनों से भेंट-मुलाकात कर दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और सभी से मुलाकात किये।

मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि गौरा-गौरी पर्व छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। ऐसे पारंपरिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करते हैं। दीपावली जैसे पर्व अपनों के बीच खुशियाँ बाँटने, बड़ों का आशीर्वाद लेने और समाज के हर वर्ग के साथ आत्मीयता से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। मंत्री श्री यादव ने कहा कि दुर्ग की पहचान यहां की जीवंत सामाजिक परंपराओं, सांस्कृतिक आयोजनों और आपसी आत्मीयता से है। दीपावली के अवसर पर शहर के विभिन्न मोहल्लों में आयोजित गौरा-गौरी पर्व में लोगों का उत्साह, श्रद्धा और सहभागिता हमारी लोकसंस्कृति की मजबूती को दर्शाती है। जनप्रतिनिधि के रूप में ऐसे आयोजनों में शामिल होकर अपने परिवारजनों के बीच समय बिताना और उनकी खुशियों में सहभागी बनना उनके लिए सदैव विशेष अनुभूति का विषय है। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह, बड़ों का आशीर्वाद और क्षेत्रवासियों का विश्वास ही जनसेवा के संकल्प को निरंतर मजबूती प्रदान करता है।

मातर तिहार हमारी आस्था और गौवंश के प्रति सम्मान का प्रतीक : गजेन्द्र यादव

दुर्ग, 12 नवंबर । मातर तिहार के अवसर पर स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग स्थित सेवा सदन में विधि-विधान से गौमाता का पूजन-अर्चन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर समाजजनों की उपस्थिति में पारंपरिक दोहा गाकर गौमाता को सोहाई बांधी तथा विधिवत पूजा-अर्चना कर लोकपर्व की परंपराओं का निर्वहन किये।गजेन्द्र यादव ने कहा कि मातर तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, पारंपरिक मान्यताओं और गौवंश के प्रति हमारी श्रद्धा एवं सम्मान का प्रतीक है। हमारी संस्कृति में गौमाता का विशेष स्थान है। यह पर्व प्रकृति, कृषि और पशुधन के साथ हमारे गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। पारंपरिक दोहा, सोहाई बांधने की रस्म और सामूहिक पूजा-अर्चना हमारी सदियों पुरानी लोकपरंपराओं की जीवंत पहचान हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे पारंपरिक लोकपर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ ही नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करते हैं। हमें अपनी लोकसंस्कृति और परंपराओं को पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर समाज के गणमान्यजन एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

जोरातराई(अ) में मड़ई मेला 13 नवंबर को

अंवरी, 12 नवंबर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम जोरातराई अ में 13 नवंबर को मड़ाई मेला(चंवर मड़ई) का आयोजन 13 नवंबर को किया जा रहा है । इस अवसर पर रात्रि में मनोरंजन हेतु लोक रंग अर्जुन्दा जिला राजनांदगाव का कार्यक्रम रखा गया है यह जानकारी सरपंच पुर्णिमा राम स्वरूप साहू ने दी।

जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का आयोजन 23 एवं 24 नवम्बर को कांकेर में

उत्तर बस्तर कांकेर, 12 नवंबर 2026/ इस वर्ष जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का आयोजन 23 एवं 24 नवम्बर को जिला मुख्यालय कांकेर में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, इंडोर स्टेडियम भवन, शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं मिनी स्टेडियम तथा शासकीय कन्या क्रीडा परिसर कांकेर के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार द्वारा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपे गए हैं।

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का किया गया प्रारंभिक प्रकाशन

कांकेर, 12 नवंबर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। इसके तहत जिले के सभी 767 मतदान केन्द्रों में निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है।

हथियार से लोगों को डरा रहे 3 युवक गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता





भिलाई, 12 नवंबर। त्योहारों के मद्देनजर दुर्ग पुलिस ने अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की है इसी कड़ी में पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने-धमकाने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन धारदार लोहे के हथियार बरामद किए हैं तीनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अलग-अलग मामले दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है पुलिस ने बताया कि अलग-अलग स्थानों पर कुछ युवक धारदार हथियार लेकर घूम रहे हैं और आम नागरिकों को डरा-धमका रहे हैं सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों पर घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को पकड़ लिया पुलिस ने सीएसईबी कॉलोनी ग्राउंड के खंडहर रोड के पास, भिलाई श्मशान घाट के समीप कैंप 03 सहित अन्य स्थानों पर कार्रवाई की गिरफ्तार आरोपियों में गजेंद्र कुमार बंजारे (27 साल) निवासी ग्राम घुघवा बाजार चौक, हलपट्टा पुराना मछली मार्केट, कैम्प-2 छावनी, विवेक यादव (21साल) निवासी ग्राम चकबुद्धन, थाना बरियापुर, जिला देवरिया, उत्तर प्रदेश वर्तमान पता मिलन चौक, पुराना मछली मार्केट, कैम्प-02 भिलाई और सूरज प्रसाद (25 साल) निवासी पुराना मछली मार्केट, कैम्प-02 शामिल हैं। तलाशी के दौरान गजेंद्र के पास से एक धारदार लोहे का हथियार, विवेक यादव के पास से लोहे का चापड़नुमा हथियार और सूरज प्रसाद के कब्जे से एक अन्य धारदार हथियार बरामद किया गया पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत पृथक-पृथक अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया।

बीएसपी में उल्लेखनीय योगदान व उत्कृष्ट कार्य के लिए संविदा श्रमिक सम्मानित



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 12 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में आयोजित समारोह में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए संविदा श्रमिकों को सम्मानित किया गया। श्रमिकों ने तकनीकी दक्षता और बेहतर टीम समन्वय से महत्वपूर्ण अनुरक्षण कार्य निर्धारित समय से पहले पूरे कर उत्पादन की निरंतरता बनाए रखने के साथ आर्थिक बचत में भी योगदान दिया। विभाग प्रमुख एवं महाप्रबंधक वी.के. ओगले ने श्रमिकों को प्रशस्ति-पत्र, उपहार एवं मिठाई प्रदान कर सम्मानित किया। 200 टन क्षमता वाले चिलर प्लांट की स्थापना, संचालन एवं रखरखाव में योगदान के लिए सोमनाथ नायक, राहुल दास माणिकपुरी, आकाश चेलक एवं महेंद्र साहू को सम्मानित किया गया। वहीं बूस्टर गैस अनुरक्षण के दौरान तीन बूस्टर एवं एक इलेक्ट्रिक मोटर को महज पांच घंटे में बदलने के चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए बालदाऊ साहू, धनसिंह जंघेल, चाणक्य देशमुख, परसराम साहू एवं धनीराम को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस कार्य में सामान्यतः लगभग 16 घंटे लगते हैं। निर्धारित समय से काफी पहले कार्य पूरा होने से संभावित उत्पादन व्यवधान टल गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक संजय नायक एवं भरत चंद्र नायक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबंधक वी.के. ओगले ने सहायक महाप्रबंधक राजकुमार सिंह एवं सहायक प्रबंधक विलास कुमार झा के मार्गदर्शन और योगदान की भी सराहना की।

छठ महापर्व की तैयारियों का कलेक्टर और डीआईजी ने लिया जायजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 12 नवंबर। सूर्योपासना और लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ को लेकर भिलाई में तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दुर्ग जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं दुर्ग डीआईजी विजय अग्रवाल ने निगम अधिकारियों और स्थानीय छठ पूजा समितियों के साथ विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने भिलाई टाउनशिप के प्रमुख केंद्र सेक्टर-2 स्थित छठ तालाब सहित सेक्टर-7 तालाब का सघन मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने पूजा समितियों से चर्चा कर आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। छठ महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त करने पर जोर दिया गया। प्रशासन का उद्देश्य है कि व्रतधारी महिलाओं, पुरुषों और उनके परिजनों को अर्घ्य अर्पित करने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो। निरीक्षण के दौरान निगम अधिकारियों एवं पूजा समितियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी रही।

मतदाता सूची का प्रकाशन

दुर्ग 12नवम्बर । निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता दिनांक 01 जनवरी 2027 की स्थिति में मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन दिनांक 12 नवम्बर 2026 को किया जाएगा। मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के संबंध में कलेक्टोरेट सभा कक्ष में 12 नवम्बर 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे प्रेस वार्ता आयोजित की गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अभिजीत सिंह जिले में निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में मीडिया को अवगत कराएंगे।

जवाहर मार्केट में कचरे के ढेर में लगी आग से फैल रहा प्रदूषण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भिलाई, 12 नवंबर। पावर हाउस स्थित जवाहर मार्केट में सुलभ शौचालय के बाजू में नगर निगम द्वारा निर्धारित पार्किंग स्थल पर कचरा डंप किए जाने और कचरे के ढेर में लगातार आग लगे रहने से क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है। इस मामले को लेकर शिवसेना के दुर्ग-भिलाई संयुक्त जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। राजू गुप्ता ने कहा कि जवाहर मार्केट के पार्किंग स्थल पर कचरे का ढेर लगा हुआ है, जिसमें सुबह से लेकर देर रात तक आग सुलगती रहती है। इसके कारण पूरे बाजार क्षेत्र में धुआं फैल रहा है और वातावरण प्रदूषित हो रहा है। धुएं के चलते आसपास के दुकानदारों और वहां से गुजरने वाले राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों में खांसी और एलर्जी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि बाजार जैसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र में इस तरह कचरा डंप करना और उसमें लगातार आग लगे रहना आम नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। नगर निगम को इस समस्या को तत्काल संज्ञान में लेकर कचरे की नियमित सफाई करानी चाहिए तथा कचरे में आग लगाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। राजू गुप्ता ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि जवाहर मार्केट के पार्किंग स्थल को कचरा डंपिंग से मुक्त कराया जाए और क्षेत्र में स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त वातावरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि दुकानदारों और आम नागरिकों को राहत मिल सके।



पुरेना मड़ई मेला 13 को

अंवरी। प्रति वर्ष कि भांति इस वर्ष भी मां अंगार मोती के दरबार में 13 नवम्बर दिन शुक्रवार को मड़ई मेला का आयोजन किया गया है जिसमें रात्रि कालीन मनोरंजन के लिए छत्तीसगढ़ी नाचा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है यह जानकारी पुजारी महेश टांडा ने दी7 पुजारी महेश टंडन ने बताया कि यहां मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु अपने सच्चे मन से अपने बच्चों के कामना के लिए मन्नत मांगते हैं उसे मां 1 साल में मन्नत को पूरी करती है।

विधायक अजय चंद्राकर 13 नवंबर को करेंगे विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

अंवरी, 12 नवंबर। भखारा क्षेत्र के विकास को नई दिशा और गति देने की दृष्टि से आगामी 13 नवंबर का दिन नगर पंचायत भखारा एवं आसपास के क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण होने जा रहा है। कुरूद विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अजय चंद्राकर जी के करकमलों से इस दिन भखारा तहसील हेतु उप पंजीयक कार्यालय, पेयजल व्यवस्था के उन्नयन तथा सहित, शेड, आदिवासी समाज भवन एवं अन्य विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा। इसके साथ ही अन्य निधियों से स्वीकृत विकास कार्यों को भी जनता को समर्पित किया जाएगा।

ये कार्य केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि क्षेत्र की भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई विकास की दूरगामी सोच का परिणाम हैं। उप पंजीयक कार्यालय की स्थापना से नागरिकों को पंजीयन संबंधी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। वहीं, भखारा-भठेली हेतु पेयजल व्यवस्था के उन्नयन से नागरिकों को बेहतर जल सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ेगा।व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में जहाँ उप रजिस्ट्री कार्यालय सहायक होगा।वहीँ भखारा-भठेली हेतु भविष्य की लाइफ लाइन जल आवर्धन योजना साबित होगा। विधायक अजय चंद्राकर जी के विकासोन्मुखी दृष्टिकोण में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि वे क्षेत्र की वर्तमान जरूरतों के साथ-साथ आने वाले वर्षों की संभावनाओं को भी ध्यान में रखकर योजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी सुविधाओं, आवागमन और नगरीय विकास के विभिन्न आयामों पर उनका ध्यान क्षेत्र के प्रति उनकी गंभीरता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।नगर पंचायत भखारा-भठेली में भी विभिन्न निधियों से स्वीकृत विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण से नगर के विकास को और गति मिलने की उम्मीद है। इन कार्यों से नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा तथा नगर की आधारभूत संरचना मजबूत होगी।नगर पंचायत भखारा अध्यक्ष श्रीमती ज्योति हरख जैन ने कहा कि 13 नवंबर का दिन भखारा-भठेली सहित पूरे क्षेत्र के लिए विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक साबित होगा। माननीय विधायक श्री अजय चंद्राकर जी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में क्षेत्र को लगातार नई विकासात्मक सौगातें मिल रही हैं।उन्होंने कहा कि उप पंजीयक कार्यालय, पेयजल व्यवस्था का उन्नयन जैसे महत्वपूर्ण कार्य इस बात का प्रमाण हैं कि विधायक जी क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकताओं और भविष्य की विकास संभावनाओं को लेकर कितने संवेदनशील एवं गंभीर हैं। इन योजनाओं से आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी, व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा और नगर के विकास को नई पहचान प्राप्त होगी। श्रीमती जैन ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में भी विभिन्न निधियों के माध्यम से विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। हमारा उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक वार्ड के नागरिकों को बेहतर सड़क, पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

यूनिवर्सल रेल मिल ने उत्पादन और गुणवत्ता में रचा नया कीर्तिमान



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 12 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल ने आधुनिक तकनीक, नवाचार और कर्मियों की तकनीकी दक्षता के दम पर उत्पादन एवं गुणवत्ता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। दिसंबर 2016 में उत्पादन शुरू करने वाले इस मिल ने शुरुआती तकनीकी चुनौतियों को अवसर में बदलते हुए निरंतर सुधार की मिसाल पेश की है। यूआरएम में फर्नेस, रोलिंग मिल, कूलिंग बेड और फिनिशिंग क्षेत्रों में किए गए तकनीकी सुधारों से परिचालन दक्षता और उत्पाद गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। री-फिनिशिंग कॉम्प्लेक्स की स्थापना, ऑनलाइन रेल आईडी प्रिंटिंग तथा रेल वेल्डिंग लाइन में सुधार जैसी पहलों ने मिल की उत्पादन क्षमता को नई मजबूती दी है। इसके परिणामस्वरूप 260 मीटर लंबे वेल्डेड रेल पैनल के उत्पादन को भी बढ़ावा मिला है। मिल के प्रदर्शन में वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान 3.69 लाख टन रहा प्राइम रेल उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 9.11 लाख टन हो गया। वहीं प्राइम एक्सेप्टेंस 85 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत पहुंच गया। कुल उत्पादन में 130 मीटर लंबी रेल की हिस्सेदारी भी 12.59 प्रतिशत से बढ़कर 73.87 प्रतिशत हो गई। यूआरएम अब तक लगभग एक लाख किलोमीटर लंबी रेल का डिस्पैच कर चुका है। नियमित तकनीकी प्रशिक्षण, नवाचार, बेहतर रखरखाव और कर्मियों के सामूहिक प्रयासों ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यूआरएम की सफलता भिलाई इस्पात संयंत्र की तकनीकी क्षमता और देश के रेल अवसंरचना विकास में उसके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करती है।

कांकेर जिले में किसानों को धान बेचने के लिए अब नहीं जाना पड़ेगा दूर

कांकेर, 12 नवंबर । राज्य शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए कांकेर जिले में 14 नवीन धान खरीदी केंद्र तथा 04 अस्थायी धान उपार्जन उपकेंद्र खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन नए केंद्रों के शुरू होने से दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों के किसानों को अपने नजदीक ही समर्थन मूल्य पर धान विक्रय की सुविधा मिलेगी। इससे किसानों का समय और परिवहन खर्च दोनों बचेंगे।

खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में समिति आतुरगांव अंतर्गत ग्राम आतुरगांव में नवीन धान खरीदी केंद्र स्वीकृत किया गया है। इस केंद्र में आतुरगांव, पथर्री, व्यासकोंगेरा, देवकोंगेरा, बोरगांव, कुलगांव, कोमलपुर, लुलेगोंदी एवं गोवर्धन के किसान धान बेच सकेंगे। इसी प्रकार समिति कढ़ईखोदरा अंतर्गत ग्राम कढ़ईखोदरा में नवीन केंद्र खोला गया है, जहां कढ़ईखोदरा, पेवारी, जैतानवागांव, सुरेली, कामता एवं काटनखोड़ के किसान धान विक्रय कर सकेंगे।समिति करेंगांव अंतर्गत ग्राम करेंगांव में नवीन धान खरीदी केंद्र स्वीकृत किया गया है। इस केंद्र में करेंगांव, मंडागांव, लामन, अमोड़ी, आमाकोट, जेठेगांव, बुट्टापिपली, नेलसोड़, नवागढ़, हल्बासिकसोड़ एवं उमकी के किसान धान बेच सकेंगे। वहीं समिति कढ़ईखोदरा अंतर्गत ग्राम नवागांव गोडरी में नवीन केंद्र स्वीकृत किया गया है, जहां गोडरी, घुमसीमुंडा एवं नवागांव के किसानों को सुविधा मिलेगी। समिति आमाबेड़ा अंतर्गत ग्राम नागरबेड़ा एवं किसकोड़ो में दो नवीन धान खरीदी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। नागरबेड़ा केंद्र में नागरबेड़ा, सेंदुरमेटा, एटेगांव, टिमनार, चंगोड़ी एवं कुरूटोला के किसान धान बेच सकेंगे। वहीं किसकोड़ो केंद्र में किसकोड़ो, करमरी, मेचानार, कोंगेरा, गवाड़ी, राये, चपई, गड़दा, कुदुरपाल एवं घोटिया के किसानों को सुविधा मिलेगी।

सड़क पर बने गहरे गड्ढे ने ली युवक की जान

बलौदाबाजार,12 नवंबर। जिला मुख्यालय में सड़क पर बने गहरे गड्ढे ने एक और परिवार की खुशियां छीन लीं। इंद्रा कॉलोनी के पास जल संसाधन विभाग की नहर से लगी सड़क पर बने गहरे गड्ढे के कारण मंगलवार की दरम्यानी रात एक युवक की दुर्घटना में मौत हो गई। घटना के बाद शहर में प्रशासनिक लापरवाही और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश है। मृतक के परिजनों और परिचितों ने हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने तथा लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का अपराध दर्ज करने की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात करीब 12:30 बजे मृतक इंद्रा कॉलोनी के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान सड़क पर बने गहरे गड्ढे के कारण हादसा हो गया, जिसमें उसकी जान चली गई। बताया जा रहा है कि यह सड़क जल संसाधन विभाग की नहर नाली से लगी हुई है। उक्त नहर चूहिया टैंक से निकलकर धोबी तालाब, पुराना बस स्टैंड, सिंधी कॉलोनी होते हुए लवन रोड और रायपुर रोड तक पहुंचती है। स्थानीय स्तर पर आशंका जताई जा रही है कि पूर्व में नहर चालू रहने के दौरान किसी व्यक्ति ने खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए सड़क और नहर को अवैध तरीके से काटकर क्षतिग्रस्त कर दिया होगा। वर्तमान में नहर बंद है और उसमें पानी का प्रवाह भी नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि सड़क को किसने क्षतिग्रस्त किया और संबंधित विभाग ने अब तक उसकी मरम्मत क्यों नहीं कराई? हालांकि, सड़क क्षतिग्रस्त करने वाले व्यक्ति या संस्था की पहचान और हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।



सोशल मीडिया पर फूटा लोगों का गुस्सा- हादसे के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का आक्रोश सामने आ रहा है। एक यूजर ने सरकारी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लिखा कि शहर के भीतर से लेकर बाहर जाने वाली सड़कों तक की बदहाल स्थिति लगातार जानलेवा साबित हो रही है। वहीं एक अन्य यूजर ने भावुक प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि नगरपालिका और नहर विभाग की गलतियों की सजा उसके दोस्त को भुगतनी पड़ी और सड़क के गड्ढे ने उसका जीवन छीन लिया। उन्होंने सवाल किया कि आखिर इस मौत का जिम्मेदार कौन है?

तीन मौतों वाले बिजली हादसे का सदमा भी नहीं भूला शहर-गौरतलब है कि शहर अभी नेहरू चौक पर घर के समीप से गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत के सदमे से उबर भी नहीं पाया था कि एक और दुर्घटना ने नागरिकों को झकझोर दिया। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने सड़क सुरक्षा, बिजली व्यवस्था और संबंधित विभागों की जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक संतोष (बबलू) पंजवानी, गोवर्धन (गोधु भाई) एवं देवा पंजवानी के छोटे भाई थे। उनके निधन से परिवार, मित्रों और परिचितों में शोक व्याप्त है। बुधवार 11 नवंबर को रायपुर रोड स्थित मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अब शहरवासियों की मांग है कि हादसे की निष्पक्ष जांच कराई जाए, सड़क और नहर को क्षतिग्रस्त करने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान हो तथा मरम्मत नहीं कराने वाले संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को इस तरह की त्रासदी का सामना न करना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम सभा का आयोजन 16 नवम्बर को

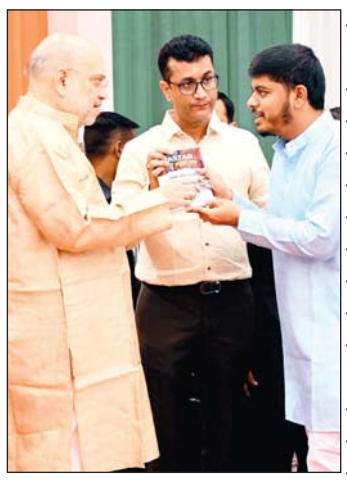
बलौदाबाजार,12 नवम्बर.पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं उनके आश्रित ग्रामों में 16 नवम्बर को ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने ग्राम सभा हेतु समय-सारिणी तैयार कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। ग्राम सभा में शतप्रतिशत गणपूर्ति सुनिश्चित कराने का दायित्व सरपंच व पंचो का होगा।ग्राम सभा में ग्राम पंचायत के बजट, विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति एवं प्रगति की समीक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण में शामिल पात्र हितग्राहियों की सूची का वाचन, आवश्यक संशोधन (करेक्शन) तथा प्रतीक्षा सूची के संबंध में भी विचार-विमर्श किया जाएगा। ग्राम सभाओं में वीबीजी राम-जी योजना एवं सीएम हेल्प टोल फ्री नम्बर 1076 के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं त्वरित निवारण हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ शासन द्वारा निर्धारित अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा की जाएगी। ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया जाएगा।

खाद्य कारोबारियों के लिए खाद्य पंजीयन शिविर 13 एवं 16 नवम्बर को

बलौदाबाजार,,**12 नवम्बर** खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले के खाद्य कारोबारियों के लिए खाद्य पंजीयन, अनुज्ञप्ति एवं जन जागरुकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में कारोबारियों को ऑनलाइन आवेदन एवं अन्य आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।शिविर का आयोजन 13 नवम्बर को साहू समाज धर्मशाला वार्ड क्रमांक 4 नगर पंचायत लवन एवं 16 नवम्बर को साहू समाज धर्मशाला कबीर दास वार्ड क्रमांक 6 नगर पंचायत कसडोल में सुबह 11 बजे से आयोजित की जायेगी।अभिहित अधिकारी अक्षय कुमार सोनी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं के लिए खाद्य पंजीयन अनुजप्ति लेना अनिवार्य है। वार्षिक टर्नओवर के अनुसार कारोबारकर्ता को खाद्य पंजीयन अथवा खाद्य अनुजप्ति प्राप्त करनी होती है।खाद्य पंजीयन - जिन खाद्य कारोबारियों का वार्षिक टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपये तक है। शुल्क ₹100 प्रति वर्ष है तथा अधिकतम 5 वर्ष तक के लिए आवेदन किया जा सकता है।खाद्य अनुज्ञप्ति - जिन खाद्य कारोबारियों का वार्षिक टर्नओवर 1.5 करोड़ रुपये से अधिक है। शुल्क चिल्हर एवं थोक विक्रेता हेतु ₹2000 प्रति वर्ष तथा खाद्य उत्पादक हेतु ₹5000 तक प्रति वर्ष है।आवश्यक दस्तावेज -खाद्य कारोबारी का पासपोर्ट साइज फोटो (1 नग), फोटो पहचान पत्र की सत्यापित छायाप्रति (जैसे आधार कार्ड, वोटर कार्ड, परिचय पत्र), पैन कार्ड की सत्यापित छायाप्रति एवं खाद्य प्रतिष्ठान के पते संबंधी दस्तावेज, जैसे बिजली बिल या किरायानामा (यदि प्रतिष्ठान किराये से है) अनिवार्य है।

'बस्तर : भय से भरोसे तक' का कराया विमोचन

बालोद,**12 नवम्बर** गुजरात के अहमदाबाद में 10 नवंबर को भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी अभिन्न यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री से सौजन्य भेंट-मुलाकात की। इस अवसर पर अभिन्न यादव द्वारा लिखित पुस्तक 'बस्तर : भय से भरोसे तक' का विमोचन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के हाथों कराया गया। पुस्तक को देखकर केंद्रीय मंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा इसके विषय और प्रयास की सराहना की। इस दौरान उन्होंने दीपावली के पावन अवसर पर अभिन्न यादव को मिठाई भेंट कर शुभकामनाएं भी दीं। इस सौजन्य मुलाकात के दौरान पुस्तक के माध्यम से बस्तर में बदलते हालात, भय के वातावरण से विश्वास की ओर बढ़ते कदम तथा क्षेत्र में शांति और विकास की उम्मीदों को सामने लाने का प्रयास उल्लेखनीय रहा।



एनएसई ने निवेशकों और ट्रेडिंग सदस्यों के लिए लॉन्च किए नए डिजिटल फीचर्स

रायपुर, 12 नवंबर। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने निवेशकों और ट्रेडिंग सदस्यों की सुविधा के लिए अपनी वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर कई नए डिजिटल फीचर्स जोड़े हैं। इनमें एनएसई मार्केट लेंस का बीटा वर्जन, एआई आधारित कॉर्पोरेट घोषणाओं का सारांश और ऑप्शन ग्रीक्स की हर मिनट अपडेट होने वाली जानकारी शामिल है। इसके अलावा, एमसीपी के जरिए चैटजीपीटी और क्लॉड जैसे एआई असिस्टेंट पर भी एनएसई का मार्केट डेटा उपलब्ध होगा।नए मोबाइल ऐप में वॉचलिस्ट शेयर करने, स्टॉक प्राइस अलर्ट, पोर्टफोलियो विश्लेषण और परिवार के सदस्यों के निवेश पर नजर रखने जैसी सुविधाएं दी गई हैं। वहीं, ट्रेडिंग सदस्यों के लिए एनएसई मेंबर पोर्टल ऐप पेश किया गया है, जिसमें बाजार के आंकड़ों, नियामकीय अपडेट और सर्कुलर की जानकारी मिलेगी।एनएसई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर विरल मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी के माध्यम से कैपिटल मार्केट को अधिक सुलभ, समावेशी और सुविधाजनक बनाना एक्सचेंज की प्राथमिकता है। ये नई पहल डिजिटल सेवाओं को बेहतर बनाने और निवेशकों को बाजार से जुड़ी जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

जनजातीय गौरव दिवस पर छत्तीसगढ़ में दिखेगी आदिवासी अस्मिता

रायपुर, 12 नवंबर.देश के स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय समाज के अतुलनीय योगदान, अदम्य साहस, बलिदान और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। महान जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। इस अवसर पर रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। वहीं 11 से 18 नवंबर तक प्रदेशभर में जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्य शासन के सचिव आदिम जाति विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों तथा जनजातीय हितग्राहियों के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि एवं संबद्ध विभाग, वन, ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा उद्योग एवं रोजगार विभाग सहित संबंधित विभाग अपनी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की भावना के अनुरूप मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय इतिहास, संस्कृति और परंपरागत ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में प्रयासरत है। राज्य सरकार की इस पहल का उद्देश्य जनजातीय समाज के उन महानायकों के संघर्ष, त्याग और राष्ट्रप्रेम को जन-जन तक पहुंचाना है, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और सामाजिक स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। जनजातीय गौरव दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन स्वर्णिम अध्यायों को राष्ट्रीय चेतना के केंद्र में स्थापित करने का अवसर है, जिनमें जनजातीय नायकों के साहस, नेतृत्व और बलिदान की अमिट गाथाएं अंकित हैं। भगवान बिरसा मुंडा सहित देश के अनेक जनजातीय वीरों ने औपनिवेशिक शासन, अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की थी। छत्तीसगढ़ के महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर और अन्य जनजातीय नायकों की संघर्षगाथाएं आज भी स्वाभिमान, सामाजिक न्याय और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देती हैं। बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर प्रदर्शनियों के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कृषि, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए संचालित प्रयासों को सामने लाया जाएगा। इससे आम नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी मिलने के साथ ही जनजातीय समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों को समझने का अवसर मिलेगा। जनजातीय गौरव सप्ताह को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ने के लिए प्रदेश के शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें जनजातीय महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, जनजातीय इतिहास, लोकसंस्कृति और परंपरागत ज्ञान पर आधारित निबंध लेखन, भाषण, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां शामिल होंगी।

'दीदी के गोठ' के 16वें एपिसोड में सुनिए सोलर दीदियों की कहानी

रायपुर, 12 नवंबर .छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के रेडियो कार्यक्रम 'दीदी के गोठ' का 16वां एपिसोड गुरुवार, 12 नवंबर को प्रसारित होगा। इस एपिसोड का विषय योजना के तहत 'सोलर दीदी' है। कार्यक्रम में सोलर दीदियां अपनी कहानी और अनुभव स्वयं साझा करेंगी। 'दीदियों की कहानी, उन्हीं की जुबानी' की भावना पर आधारित यह मासिक रेडियो कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के अनुभवों और उनकी पहल को श्रोताओं तक पहुंचाने का मंच है। कार्यक्रम का प्रसारण प्रत्येक माह के दूसरे गुरुवार को किया जाता है। इस बार के एपिसोड में सोलर दीदियों पर केंद्रित बातचीत के जरिए श्रोता उनके अनुभव जान सकेंगे।

15 नवम्बर से सभी उपार्जन केंद्रों मे धान खरीदी की पूरी तैयारी हो : कलेक्टर

बलौदाबाजार,12 नवम्बर.कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने 15 नवम्बर से शुरू हो रहे धान खरीदी महाभियान अंतर्गत जिले के उपार्जन केंद्रों मे खरीदी की तैयारी के सम्बन्ध मे बुधवार को अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों मे 15 नवम्बर से धान खरीदी की आवश्यक व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि सभी उपार्जन केन्द्र के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किये गए है। सबंधित नोडल अधिकारी अपने उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण कर खरीदी की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं। आर्द्रतामापी यन्त्र एवं इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन का उचित कैलिब्रेशन, माइक्रो एटीएम सक्रिय,किसानों के लिये पेयजल औऱ शौचालय की व्यवस्था हो। इसके साथ ही सभी केंद्रों मे नये व पुराने बारदाने पहुंच जाए।उन्होंने कहा कि नये प्राधिकृत अधिकारियो के लिये प्रशिक्षण की तत्काल व्यवस्था करें। उन्होंने बताया कि पीव्ही एप्प मे रकबा सत्यापन अब 15 नवम्बर तक बढ़ा दी गई है। अब बढ़े हुए समय सीमा मे सत्यापन एवं अन्य त्रुटियों का सुधार करें। बताया गया कि 10 नवम्बर से शुरु हुए तुंहर टोकन एप्प के माध्यम से अब तक 61 उपार्जन केंद्रों मे धान बेचने किसानों ने 153 टोकन बुक करा लिया है। इस बार 70 प्रतिशत टोकन ऑनलाइन एवं 30 प्रतिशत समिति के माध्यम से बुक किये जाएंगे। इससे किसानों को घर बैठे टोकन लेने मे अधिक सुविधा मिलेगी।



मातर तिहार हमारी संस्कृति, परंपरा और गौसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक : गजेन्द्र यादव

रायपुर, 12 नवम्बर.मातर तिहार के अवसर पर आज प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने विधि-विधान के साथ गौमाता का पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर समाजजनों की उपस्थिति में उन्होंने पारंपरिक दोहा गाकर गौमाता को सोहाई बांधी और विधिवत पूजा-अर्चना की। मंत्री श्री यादव ने कहा कि मातर तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, आस्था और परंपराओं से जुड़ा विशिष्ट पर्व है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों, सामाजिक एकजुटता और गौवंश के प्रति सम्मान एवं सेवा का भाव सिखाता है। यादव समाज की परंपरा में गौसेवा और गौपालन का विशेष महत्व रहा है। गौमाता हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि संस्कृति और जनजीवन का अभिन्न अंग हैं। उनकी सेवा और संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मंत्री श्री यादव ने कहा कि यादव समाज में मातर तिहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान, पूर्वजों की परंपराओं और गौवंश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। इस पर्व पर पारंपरिक दोहे गाकर सोहाई बांधने और सामूहिक रूप से गौपूजन करने की परंपरा हमारी लोकसंस्कृति की जीवंतता को दर्शाती है।

20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में बिल्हा ने देश में हासिल किया प्रथम स्थान

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर, 12 नवंबर.स्वच्छता और बेहतर नगरीय प्रबंधन की दिशा में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों नगर पालिक निगम रायपुर, नगर पालिक निगम बिलासपुर और नगर पंचायत बिल्हा को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से बिलासपुर जिले की नगर पंचायत बिल्हा ने देश में 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। वहीं, 'स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन' श्रेणी में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। रायपुर नगर पालिक निगम को स्वच्छता में राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव, विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा तथा संबंधित नगरीय निकाय के महापौरों एवं आयुक्तों ने राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि से राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के स्वच्छता संबंधी प्रयासों को नई पहचान मिली है। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों, संबंधित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।



श्री साय ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ को मिले राष्ट्रीय सम्मान हमारे शहरों की बदलती तस्वीर और स्वच्छता के प्रति प्रदेशवासियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। बिल्हा जैसे छोटे नगर का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना, बिलासपुर का स्वच्छ नदी तटवर्तीय श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल करना और रायपुर का राज्य में अग्रणी स्थान पर रहना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल स्वच्छता की रैंकिंग में आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी स्थायी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें स्वच्छता हर नागरिक की आदत और हर शहर की पहचान बने। जनभागीदारी, आधुनिक नगरीय सुविधाओं और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से हम स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को सम्मानित किया जाना प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वच्छता कर्मियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। नगर पंचायत बिल्हा का 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना विशेष उपलब्धि है।

प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने चंद्रहासिनी माता एवं नाथल दाई मंदिर में मत्था टेका

बलौदाबाजार ■ तरुण छत्तीसगढ़

जिला प्रेस क्लब बलौदाबाजार ने आज दीपावली के पंचम तिथि भाई दूज के दिन दीपावली मिलन है तो मां चंद्रहासिनी देवी एवं नाथल दाई के मंदिर में मत्था टेकेते हुए आज सहृदय धन्यवाद दिए और क्षेत्र वासियों की सुख समृद्धि के लिए कामना भी किए बलौदाबाजार प्रेस क्लब ने बताया कि बड़े दिनों से माता रानी के दरबार में जाने के लिए जाने का प्रोग्राम बन रहा था मगर किसी न किसी वजह से वहां कार्यक्रम रुक जाता था मगर आज मां की बुलावे पर पुनः प्रेस क्लब सामूहिक एकता का संगठन परिचय बनाते हुए माता रानी के दर्शन हेतु सुबह भोर से ही निकल गए और दोपहर की बेला में नौका विहार करते हुए माता रानी का प्रफुल्लित मन से दर्शन किए एवं क्षेत्र वासियों के लिए कामना किए। दर्शन के पश्चात नदी बिहार करते हुए पार करके नाथलदाई मैया के भी चरण स्पर्श करते हुए परिक्रमा किए और क्षेत्र वासियों के लिए मंगलमय भाव को मन में जागृत करते हुए सभी के सुख समृद्धि के लिए कामना किए।

एक बार जरूर सपरिवार चंद्रपुर आए--नरेश गनशानी-आज का दिन बड़ा ही वैभवशाली दिन यहां जहां माता रानी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ जिसमें प्रेसक्लब अध्यक्ष नरेश गनशानी ने बताया कि छत्तीसगढ़ के शक्ति जिले (पूर्व में जांजगीर-चांपा) के चंद्रपुर में महानदी के तट पर माँ चंद्रहासिनी और नदी के बीचों-बीच टापू पर माँ नाथल दाई का प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर स्थित है।

नौकाविहार का मधुमय आनंद, प्रेसक्लब ने उठाया लुफ्त-छत्तीसगढ़ के



सक्ती जिले में स्थित ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगर चंद्रपुर एक प्रसिद्ध नदी संगम पर बसा हुआ है जहां की प्रमुख और सबसे बड़ी नदी महानदी है जिसमें मांड नदी आकर मिलती है।और फिर लात नदी चंद्रपुर के पास महानदी और मांड नदी के साथ संगम बनाती है (त्रिवेणी संगम)कहलाती है। जहां पर आज प्रेस क्लब बलौदाबाजार दो टोली में अलग-अलग नांव पर सवार होकर नाथल दाई के नदी घाट से चंद्रहासिनी देवी मंदिर के घाट पर नौका विहार का लुफ्त उठाया जो अलग ही मनोहारी दशा का वर्णन रूप में देखने को मिला जहां पर महानदी की अविरल धारा देखकर मानो मन मंत्रमुग्ध हो गयाहो। पंछियों के चहचहाहट और नदी के सर सर आवाज में मानो कानों में आने वाले स्वरों को आनंदित कर दीया। साथ ही साथ नाव चलाने वाले नाविक के परिश्रम को देखते हुए भी मानो त्रेता युग के गुहा राज निषाद का स्मरण करा दिया हो जिसने भी नाथल दाई के नदी के तरफ से चंद्रपुर चंद्रहासिनी नदी के घाट तक नदी पार किया इस तरह से सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले से शक्ति जिले की ओर पार कराया।

प्रेसक्लब अध्यक्ष नरेश गनशानी ने दिए दीपावली सप्रेम भेंट-बलौदाबाजार प्रेस क्लब माता रानी के दरबार में आकर मत्था टेका साथ ही साथ यह भाई दूज का भी परंपरा हुआ साथ ही साथ दीपावली मिलन का भी योजना सफल हुआ तथा एक पिकनिक का भी आनंद का लाभ हुआ जिसमें प्रेस क्लब के अध्यक्ष नरेश गनसनी ने सभी प्रेस क्लब के साथियों को दीपावली पर्व की बधाई देते हुए सप्रेम भेंट किए तथा सभी के उज्जवल भविष्य की कामना भी किए।

अखिलेश राममंदिर दर्शन करने को मजबूर हैं या.....

यूपी की राजनीति में सफलता के लिए अब पहले जैसी राजनीति होती थी,अब वैसी राजनीति से सफलता मिल नहीं सकती है,इसलिए सपा जैसे राजनीतिक दल को भी अपने किसी नेता के माध्यम से घोषणा करानी पड़ रही है कि सपा प्रमुख अयोध्या के राममंदिर भगवान राम के दर्शन के लिए दिसंबर में जाएंगे।बदलते वक्त के साथ सफलता के लिए राजनीति भी बदलनी पड़ती है और इस बात का एहसास अब अखिलेश यादव को भी हो रहा है।यही वजह है कि अभी तक वायएम के भरोसे राजनीतिक सफलता में यकीन रखने वाले अखिलेश को बार बार अपनी राजनीति में बदलाव करना पड़ रहा है।अखिलेश ने २०२७ के चुनाव में सफलता के एमवाय की जगह पीडीए की राजनीति पर जोर दिया। यह उनका पहला बदलाव था,पिछले दो चुनावों में हार से अखिलेश यादव का भरोसा एमवाय से कम हुआ तो उन्होंने पीडीए यानी दो जगह की तीन वर्ग को राजनीतिक सफलता के लिए जरूरी माना यानी पिछड़ा,दलित व अल्पसंख्य यानी मुसलमान।चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहे हैं अखिलेश यादव को लग रहा है कि पीडीए से भी चुनाव में जीत की निश्चित तौर पर नहीं मिलने वाली है।यही वजह है वह अब जीत के लिए हिंदुओं व सनातनियों का साथ भी जरूरी मान रहे हैं।

यही वजह है कि पीडीए के साथ ही अखिलेश यादव ने पिछले कुछ महीनों में सपा की राजनीति में बदलाव किया है।वह कई मंदिरों के दर्शन करने को गए हैं, भागवत आदि धार्मिक आयोजनों में शामिल हो रहे है,बड़े मंगल पर हनुमान चालीसा,भगवान हनुमान की फोटो सोशल मीडिया पर साझा करते हैं।इटावा में वह केदारेश्वर मंदिर बनवा रहे हैं,सपा प्रमुख ने हाल ही में बुलंदशहर के शिकारपुर क्षेत्र की जनता के लिए निशुल्क धार्मिक बस सेवा को हरी झंडी दिखाई थी।जिसके तहत यात्रियों को धार्मिक स्थलों की यात्रा के साथ नाश्ते की सुविधा दी जा रही है।यही नहीं अखिलेश यादव ने रामचरितमानस को सांस्कृतिक संविधान तक बताया है,अखिलेश यादव ने खुद को भगवान राम व कृष्ण की परंपरा से जोड़ने वाले पोस्टर भी लगवाए थे। समाजवादी कार्यालय के बाहर लगा एक पोस्टर भी खूब चर्चित हुआ था जिसमें समाजवादी ही सनातनी है लिखा हुआ था। राम मंदिर में दर्शन करने नहीं जाने पर अखिलेश यादव को सनातनी नही है कहकर आलोचना की गई थी तब अखिलेश यादव ने कहा था वह राममंदिर बाद में जाएंगे। अब खुद को हार्ड हिंदुत्व वाले योगी आदित्य नाथ के जीत के लिए खड़े होने के लिए अखिलेश यादव को लग रहा है कि उनका भी सनातनी होना जरूरी हो गया है। यही वजह है कि पिछले कई महीनों से जब भी मौका मिलता है वह खुद को सनातनी बताने की कोशिश करते हैं।कई बार उनकी कोशिश से लगता है कि वह खुद को योगी से बड़ा सनातनी बताना चाहते है। हाल ही में अखिलेश यादव को तब खुद को सनातनी बताने का बड़ा मौका मिला जब बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने एक कार्यक्रम में राम और कृष्ण की तुलना कर दी और इससे ब्रज क्षेत्र के संत व यादव समाज ने नाराजगी जताई तो धीरेंद्र शास्त्री ने तो जल्द ही माफी मांग ली लेकिन अखिलेश यादव को लगा कि यह मौका खुद को कट्टर सनातनी बताने का है और उन्होंने राजनीति के क्षेत्र से सबसे कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मानवीय भूलों के लिए तो क्षमा की जा सकती है लेकिन ईश निंदा के लिए कभी क्षमा नहीं किया जा सकता।ऐसे दुष्मुखी लोगों पर आजीवन प्रतिबंध लगना चाहिए,सार्वजनिक जीवन में हर सच्चे सनातनी को धीरेंद्र शास्त्री का बहिष्कार करना चाहिए। यही नहीं यह भी सपा की तरफ से कहा गया कि धीरेंद्र शास्त्री का कोई कार्यक्रम यूपी में नहीं होना चाहिए,उनको यूपी में घुसने नहीं देना चाहिए। वह खुद को बड़ा सनातनी बताने के चक्कर में यह भूल गए कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर की देश के हर राज्य में लाखों अनुयायी है।वह विरोध करेंगे तो उनके समर्थक भी तो कुछ करेंगे। अब यूपी के प्रतापगढ़ के राजा भैया अपने क्षेत्र में धीरेंद्र शास्त्री की रामकथा का आयोजन कर रहे हैं और इसके अलावा भी यूपी में कई जगह दिसंबर तक धीरेंद्र शास्त्री के कई कार्यक्रम होने है। यदि सपा के विरोध के बाद भी धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम का सफल आयोजन हो जाएगा तो अखिलेश यादव के सनातनी होने पर सवालिया निशान लग जाएगा क्योंकि अखिलेश तो तब ही बड़े सनातनी माने जाएंगे उनके साथ यूपी की जनता भी धीरेंद्र शास्त्री का विरोध करे। राजा भैया ने ऐलान कर दिया है कि कोई माई का लाल धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम को रोक नहीं सकता।ऐसे में अखिलेश यादव का धीरेंद्र शास्त्री को रोक पाना को संभव नहीं लगता है।यही वजह है कि दिसंबर में अपनी धीरेंद्र शास्त्री को न रोक पाने की असफलता को छिपाने के लिए और खुद का कृष्ण भक्त के साथ रामभक्त बताने के लिए अखिलेश यादव ने सपा नेता से यह घोषणा करवा दी है पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 12 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर जाएंगे। जनवरी 2024 में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद, पूर्व मुख्यमंत्री का यह वहां पहला दौरा होगा। वे हनुमानगढ़ी में हनुमान जी का आशीर्वाद लेंगे। साथ ही, वे राम मंदिर में भी आशीर्वाद लेंगे।अखिलेश को 22 जनवरी 2024 को मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया था। उस समय अखिलेश ने कहा था कि वे बाद में अपने परिवार के साथ मंदिर जाएंगे। समाजवादी पार्टी प्रमुख इस साल 8 अक्टूबर को भागवत कथा में शामिल होने अयोध्या गए थे, लेकिन वे राम मंदिर नहीं गए, जिस पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नाराजगी जताई थी। उनको गैरसनातनी बताया था।

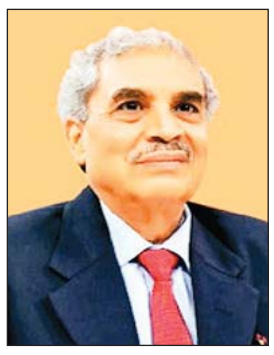
चिंतन

कुछ दीये दीपावली के बाद भी जलाते रहिए

हृदय मोहन



दीपावली के अगले दिन सुबह मुंडेर पर रखे दीयों पर नजर पड़ी तो एक अलग ही दृश्य था। रात भर रोशनी बिखेरने वाले मिट्टी के दीये अब शांत पड़े थे। किसी की बाती जलकर काली हो चुकी थी, तो किसी में तेल की आखिरी बूंद बची थी। झालरें उतरने लगी थीं, मिठाई के डिब्बे खाली हो रहे थे और बाजार फिर अपनी रोज की रफ्तार में लौट आया था।



त्योहारों की प्रकृति ही ऐसी है। वे आते हैं, खुशियां बिखेरते हैं और चले जाते हैं। पर क्या उनके साथ हमारी संवेदनाएं भी बुझ जानी चाहिए? क्या अपनापन, करुणा और दूसरों की खुशी में खुश होने का भाव भी दीपावली के साथ समेटकर रख दिया जाए?

इस बार इन सवालों का जवाब मुझे दीपावली की पूर्व संध्या पर भिलाई के "फील परमार्थम फाउंडेशन" में मिला। यहां बौद्धिक एवं मनोसामाजिक दिव्यांगता वाले सौ से अधिक लोगों को देखभाल, आश्रय और सहयोग मिलता है। उस शाम परिसर दीयों से जगमगा रहा था, लेकिन सबसे बड़ी रोशनी वहां के निवासियों के उत्साह और सहभागिता में दिखाई दे रही थी। उन्होंने स्वयं भगवान राम के अयोध्या लौटने के प्रसंग का मंचन किया। एक बुजुर्ग निवासी ने राम की भूमिका निभाई और एक दादी ने सीता की, जबकि अन्य निवासी लक्ष्मण, हनुमान और वानर सेना बने। सजे हुए रथ पर राम, सीता और लक्ष्मण की झांकी आगे बढ़ी तो फूलों की बरसात होने लगी। मेरी पत्नी और मैं भी वहां उपस्थित लोगों के साथ इस स्वागत में शामिल हुए।

मुख्य पात्र व्हीलचेयर पर थे, लेकिन उस शाम दर्शकों का ध्यान उनकी दिव्यांगता पर नहीं, उनकी भूमिका और प्रस्तुति पर था। वहां के निवासी कार्यक्रम के दर्शक नहीं थे, उसकी आत्मा थे। यह देखकर एक बात फिर समझ में आई कि किसी को केवल कुछ दे देना ही पर्याप्त नहीं होता। उसे अपनी भूमिका निभाने, प्रतिभा दिखाने और बराबरी के साथ शामिल होने का अवसर देना भी उतना ही जरूरी है। सम्मान दया से नहीं, सहभागिता से मिलता है।

लौटते समय एक सवाल साथ चलता रहा: ऐसी शामें साल में कितनी आती हैं? त्योहार भले एक शाम का हो, पर किसी के अकेलेपन और साथ की जरूरत एक शाम में पूरी नहीं होती। जिन्हें हम त्योहार पर याद करते हैं, उन्हें बाकी दिनों में भी यह एहसास होना चाहिए कि कोई उनका हाल पूछता है, उन्हें याद रखता है और उनके साथ खड़ा है। किसी समाज की समृद्धि केवल उसकी इमारतों और बाजारों से नहीं मापी जाती। यह भी देखना चाहिए कि उसमें रहने वाला हर व्यक्ति कितना सुरक्षित, सम्मानित और शामिल महसूस करता है।

इसलिए दीपावली के बाद भी कुछ दीये जलते रहने चाहिए। इसके लिए न बड़े आयोजन चाहिए, न बहुत धन। बस पांच छोटे दीये अपने जीवन में जलाने की कोशिश कीजिए।

पहला दीया: समय का। महीने में एक दोपहर किसी अकेले रहने वाले बुजुर्ग के पास, या संस्था की अनुमति लेकर किसी वृद्धाश्रम या आश्रय गृह में बैठ आइए। उपहार जरूरी नहीं। कभी-कभी किसी की बात ध्यान से सुन लेना ही सबसे बड़ा उपहार होता है।

दूसरा दीया: एक फोन का। हमारे रिश्तेदारों या पड़ोस में कोई न कोई बुजुर्ग ऐसे जरूर होंगे जिनसे लंबे समय से बातचीत नहीं हुई है। आज उन्हें फोन करके हालचाल पूछ लीजिए। दो मिनट की आत्मीय बातचीत भी किसी के दिन को बेहतर बना सकती है।

तीसरा दीया: सहभागिता का। किसी बुजुर्ग, बच्चे या दिव्यांग व्यक्ति की राय पूछिए, उसे कोई जिम्मेदारी सौंपिए या अपना हुनर दिखाने का अवसर दीजिए। किसी को केवल दर्शक बनाए रखने के बजाय भागीदार बनाना उसके आत्मविश्वास और सम्मान को बढ़ाता है।

चौथा दीया: बच्चों में संवेदना जगाने का। बच्चे वही सीखते हैं जो वे हमें करते देखते हैं। भिलाई के ही "स्नेह संपदा विद्यालय" में दीपावली के एक पुराने आयोजन की याद भी इस बार ताजा हो गई। जगह और परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन संदेश वही था: खुशी अपने दायरे से बाहर निकलकर दूसरों तक पहुंचे तो और भी अर्थपूर्ण हो जाती है। बच्चों को ऐसे अवसरों पर अपने साथ ले जाइए। संवेदना का संस्कार उन्हें केवल किताबों से नहीं, अनुभवों से मिलेगा।

पांचवां दीया: निरंतरता का। एक दिन का उत्साह क्षणिक हो सकता है, लेकिन नियमित प्रयास धीरे-धीरे संस्कार बन जाते हैं। साल में एक बार जाने से बेहतर है कि छोटे-छोटे कदम लगातार उठाए जाएं। दीपावली की भावना को एक दिन का उत्सव भर न रहने दें, उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाइए।

ये छोटे प्रयास शायद कभी समाचार न बनें, लेकिन किसी के जीवन में इनका महत्व बहुत बड़ा हो सकता है। मनुष्यता के इन दीयों को तेल और बाती की नहीं, हमारे समय, संवेदना और संकल्प की जरूरत है।

मुंडेर के वे काले पड़े दीये मैंने फेंके नहीं। उन्हें धोकर, पोंछकर फिर रख दिया है। उनकी बातियों पर जमी कालिख गवाह है कि उन्होंने रात भर अपना काम किया। अब उनमें फिर तेल डालने की बारी हमारी है—इस बार किसी और की देहरी के लिए।

राशिफल

मेष राशि: आज आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है। अचानक खर्च बढ़ने से बचत प्रभावित हो सकती है। दिखावे और अनावश्यक खर्चों से दूर रहें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे। सरकारी कामकाज से जुड़ी चिंता धैर्य रखने से दूर हो सकती है। माता-पिता से बातचीत में संयम रखें।

वृषभ राशि: आज कार्यकुशलता और समझदारी से सफलता मिलने के योग हैं। पुराने कर्ज को चुकाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। संपत्ति से जुड़ा निर्णय लेने से पहले सभी पहलुओं की जांच करें। भाई-बहनों के साथ पुराने मतभेद दूर हो सकते हैं। पारिवारिक संबंधों में मधुरता आएगी।

मिथुन राशि: आज बुद्धि और विवेक से लिए गए फैसले लाभदायक साबित हो सकते हैं। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। संतान से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। छोटे बच्चों की इच्छाएं पूरी करने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखने की जरूरत है।

कर्क राशि: आज आय के नए अवसर मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। पारिवारिक विवादों में सोच-समझकर हस्तक्षेप करें। कारोबार में साझेदार का सहयोग मिलेगा। पुराने उधार की रकम वापस मिलने के संकेत हैं। धैर्य और समझदारी से परिस्थितियों को संभालने में सफलता मिलेगी।

सिंह राशि: कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। अचानक खर्च बढ़ने से आर्थिक योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। पिता की सेहत का ध्यान रखें। पुरानी इच्छा पूरी होने से मन प्रसन्न रहेगा। घर में मेहमान के आगमन से खुशियां बढ़ेंगी।

कन्या राशि: आज वाणी और व्यवहार में संयम रखना जरूरी होगा। माता-पिता का सहयोग और आशीर्वाद मिलेगा। वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो सकती हैं। मौसम के बदलाव से सेहत प्रभावित हो सकती है। संतान से किया वादा पूरा करें। यात्रा की योजना भी सफल हो सकती है।

तुला राशि: आज कोई सुखद समाचार मिल सकता है। लंबे समय से अटका पैसा वापस मिलने के योग हैं। कारोबार में बड़ी डील फाइनल होने से लाभ और आत्मविश्वास बढ़ेगा। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। सामाजिक और रचनात्मक गतिविधियों में सम्मान बढ़ेगा। भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें।

वृश्चिक राशि: आज बातचीत में संयम बरतें। अनजान व्यक्ति की सलाह पर महत्वपूर्ण फैसला लेने से बचना होगा। संतान की नौकरी से जुड़ी चिंता दूर हो सकती है। मां से किया वादा पूरा करना पड़ सकता है। पारिवारिक मतभेदों को समझदारी से सुलझाएं। अविवाहित लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

धनु राशि: आज अचानक कोई लाभ मिलने की संभावना है। घर में मांगलिक कार्यक्रम से खुशियों का माहौल बनेगा। नौकरीपेशा लोगों को नई और बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। बेहतर प्रदर्शन से पदोन्नति के रास्ते खुलेंगे। अपनी वाणी पर संयम रखें और मिले अवसरों का पूरा लाभ उठाएं।

मकर राशि: आज मेहनत और लगन से सफलता मिलने के योग हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। संतान की पढ़ाई को लेकर चिंता रह सकती है। मां की सलाह महत्वपूर्ण निर्णयों में उपयोगी साबित होगी। नया वाहन खरीदने की योजना बन सकती है। दोस्त की मदद से लंबे समय से अटका काम पूरा होगा।

कुंभ राशि: आज आर्थिक मामलों में राहत मिल सकती है। लंबे समय से अटका पैसा वापस मिलने के संकेत हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। रिश्तेदारों के यहां मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और प्रयासों में निरंतरता बनाए रखें।

मीन राशि: आज परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। नए विचारों पर काम शुरू करने से लाभ मिल सकता है। लंबे समय से अटका जरूरी काम पूरा होने की संभावना है। यात्रा के दौरान उपयोगी जानकारी या संपर्क मिल सकता है। सेहत को नजरअंदाज न करें और दोस्तों के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा।

व्यंग्य

कुचला हुआ तराजू

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'



रेहड़ी के कोने पर एक फटा हुआ स्कूल बैग टंगा था, जिसमें उसकी नौ साल की बेटी गुड़िया की फीस की रसीद रखी थी। कल स्कूल का आखिरी नोटिस था, फीस न भरी गई तो परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा। बुलडोजर से उतरते ही नगर निगम के प्रवर्तन अधिकारी ने लाठी फटकारी, "हटाओ यह कूड़ा! जब्त करो इसका सामान!" माधव कांप उठा। उसने दोनों हाथ जोड़ लिए, "साहब, बस दो घंटे में हट जाऊंगा... दिन भर कुछ नहीं बिका, अभी तो अलाव जलाया है। बिटिया की फीस के चार सौ रुपये जुटाने हैं बाबूजी!" लेकिन सिस्टम किसी की बेटी की फीस की रसीद नहीं पढ़ता, वह सिर्फ नियम पढ़ता है। बुलडोजर के लोहे के पंजे ने एक ही झटके में उस लकड़ी की रेहड़ी को हवा में उछाला और कंक्रीट पर पटक दिया।

कड़ाही उलट गई। दहकते हुए लाल अंगारे सड़क के ठंडे पानी में गिरकर छनछना उठे। लोहे का वह पुराना तराजू और उसके बाट बुलडोजर के भारी टायरों के नीचे आकर चपटे हो गए। मूंगफली के दाने कीचड़ में रौंद दिए गए। यार, तुमने कभी किसी बाप को अपनी ही रोजी-रोटी की राख पर घुटनों के बल बैठते देखा है? इस मुल्क में गरीब का पेट भरना कानून का उल्लंघन है, अगर वह बिना ब्रांडेड शोरूम के हो।

माधव ने रोते हुए अपनी थरथराती उंगली उठाई।

उसकी रेहड़ी के ठीक पीछे, उस सौ करोड़ के शॉपिंग मॉल के आगे दर्जनों लग्जरी ऑडी और मर्सिडीज कारें पूरे फुटपाथ और आधी सड़क को घेरकर खड़ी थीं। उनके कारण पूरी सड़क पर लंबा जाम लगा हुआ था।

माधव की आंखों से आंसू बह निकले, "साहब, वो जो पीछे पचास बड़ी गाड़ियां पूरे रास्ते पर कब्जा किए खड़ी हैं, उन्हें आपका बुलडोजर क्यों नहीं छूता? क्या वो अतिक्रमण नहीं है?" अधिकारी ने अपनी जेब से टैबलेट निकाला और बड़ी प्रशासनिक गरिमा के साथ कहा, "माधव, दिमाग का इस्तेमाल करो। वे मॉल के वैले पार्किंग वाले हैं। उन्होंने नगर निगम को करोड़ों रुपये का कमर्शियल टैक्स दिया है। उनकी गाड़ियां शहर की संपन्नता और जीडीपी का प्रतीक हैं, जबकि तुम्हारी यह जर्जर रेहड़ी शहर के माथे पर गरीबी का कलंक है। हमारा ड्रोन केवल अनधिकृत दरिद्रता को स्कैन करता है।" व्यवस्था का सारा सौंदर्य इसी में है; वह अमीरों के कब्जे को 'सुविधा' कहती है और गरीब की थाली को 'अतिक्रमण'। अधिकारी ने टैबलेट पर स्टेटस अपडेट किया—'मार्ग पूर्णतः बाधा-मुक्त। फुटपाथ का सौंदर्य बहाल किया गया।'

गाड़ियों का काफिला धूल उड़ाता हुआ निकल गया।

माधव उस गीली सड़क पर बैठ गया। उसने कीचड़ में हाथ डालकर उस चपटे हो चुके लोहे के तराजू को उठाया।उसकी हथेली में जलते हुए कोयले की एक चिनगारी चुभी, लेकिन उस जलन से कहीं ज्यादा दर्द उसकी छाती में था। उसने अपनी जेब से गुड़िया की फीस का वह मोड़ा हुआ कागज निकाला, जो अब कीचड़ से भीग चुका था। सड़क के डिवाइडर पर लगा स्मार्ट सिटी का विशाल डिजिटल बोर्ड जगमगा रहा था, 'खुशहाल नागरिक, सुरक्षित शहर: आपका सहयोग ही हमारी ताकत है।'और उस बोर्ड की नीली चकाचौंध के नीचे बैठा वह लाचार बाप अपने टूटे हुए तराजू को सीने से चिपकाकर बिना किसी आवाज के इस तरह रो रहा था कि उसके आंसुओं का वजन नापने के लिए उस शहर में कोई पैमाना नहीं बचा था।

(राष्ट्रीय ग्रंथालय सप्ताह विशेष - 14-20 नवंबर 2026)

संबंधित घटकों की समृद्धता ही ग्रंथालय समृद्धि

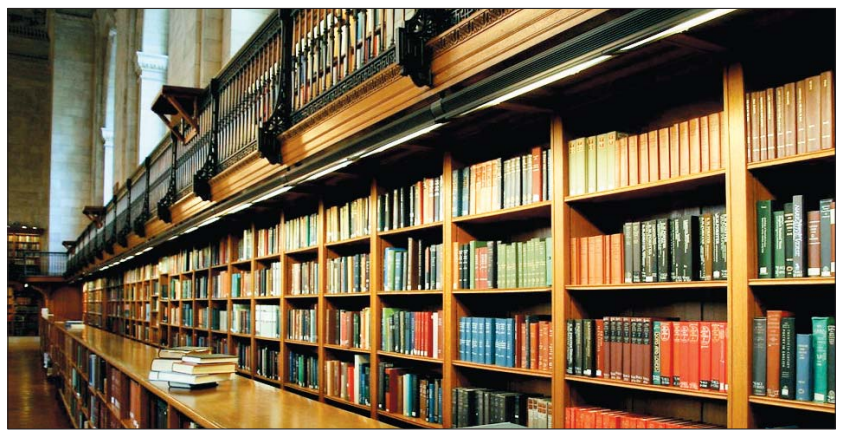
लेखक - डॉ. प्रीतम भी. गेडाम



जीवन में जो महत्व अमूल्य शिक्षा का होता है, वही महत्व ग्रंथालयों का भी होता हैं। किसी भी काल या समय में ग्रंथालयों का महत्व कम नहीं हुआ, बल्कि समय के साथ बढ़ा हैं। हमारे भारत देश के प्राचीनतम नालंदा, तक्षशिला नाम से विश्वप्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के समृद्ध ग्रंथालय हो या आज के आधुनिक युग में साधनसंपन्न ज्ञान केंद्रों के रूप में स्थापित डिजिटल ग्रंथालय हो। हर ओर शिक्षा और ज्ञान के मुख्य स्रोत के रूप में ग्रंथालयों का महत्व अतुलनीय हैं। आज ग्रंथालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया जा रहा है, ताकि पाठकों को जलद गति से गुणवत्तापूर्ण ग्रंथालयीन सेवाएं प्रदान की जा सकें। इससे पाठकों और ग्रंथालयीन कर्मचारियों के समय, क्षमता की बचत होकर ग्रंथालयीन विज्ञान के पांचो नियमों का पूर्ण रूप से पालन होता हैं।

ग्रंथालयों का निर्माण व्यवसाय या धनोपार्जन के रूप में नहीं होता हैं, यह शिक्षा सेवा या समाज सेवा के रूप में लोककल्याण स्वरुप ज्ञानोपार्जन का केंद्र होता हैं। आज हर तरफ, हर क्षेत्र को पैसा कमाने का जरिया बनाया गया हैं। समाज सुधारकों ने समाज को विकसित करने के दृष्टिकोण से समाजसेवा के रूप में स्कूल, महाविद्यालय, ग्रंथालय स्थापित किये थे, लेकिन समय के साथ आज इसमें बदलाव हुए हैं। अधिकतम शिक्षा क्षेत्र भी अब धनोपार्जन का केंद्र बन चुके है, लेकिन ग्रंथालय द्वारा बेहतर आय स्रोत न होने के कारण इस क्षेत्र में उद्यमी विशेष रूचि नहीं लेते। सरकार द्वारा संचालित ग्रंथालय ही आम लोगों के लिए एक साधन दिखाई पड़ता हैं। केंद्र सरकार द्वारा संचालित शिक्षा केंद्र या प्रसिद्ध निजी स्कूल, महाविद्यालय शिक्षा अनुरूप अपने ग्रंथालयों को काफी हद तक विकसित करते है। लेकिन अनेक राज्य सरकार द्वारा संचालित सार्वजनिक ग्रंथालय, अनुदानित स्कूल, महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों साथ ही स्थानीय प्रशासन के ग्रंथालय भी बरसों से समस्याओं से जूझते नजर आते हैं।

ग्रंथालय के विकास के लिए सर्वप्रथम विकसित दृष्टिकोण की आवश्यकता है, क्योंकि अक्सर हम देखते है कि, बहुत-सी महानगरपालिका, नगर निगम जिनका वार्षिक बजट हजार करोड़ से ज्यादा होकर भी वहां के ग्रंथालयों की स्थिति सालो-साल ज्यों की त्यों बनी हैं। हालांकि अभी सरकार ग्रंथालयों के विकास पर जोर देने की कोशिश कर रही है, परंतु विकास का असर ग्रंथालय संबंधित सभी घटकों पर दिखना चाहिए। महाराष्ट्र राज्य के अनुदानित सार्वजनिक ग्रंथालयो के चार वर्ग ए, बी, सी और डी किए गए है, इसी वर्ग श्रेणी अनुसार ग्रंथालयीन खर्च, कर्मचारी वेतन और



साहित्य खरीदी की जाती हैं। शायद जानकर हैरान हो जाओगे कि, वर्ग ए, बी, सी और डी वर्ग में बहुत से ग्रंथालय कर्मचारी का वेतन एक मजदुर से भी कई गुना कम होता हैं। वो भी आज के समय में जब महंगाई हमें रोज रुलाती है, ऐसे समय में कई ग्रंथालय कर्मचारी ढाई-तीन हजार रुपये माह का वेतन पाते है, क्या इस वेतन में आज जीना संभव है? महाराष्ट्र राज्य में अधिकतम यह अनुदानित ग्रंथालय संस्थाओं द्वारा संचालित होते है, जैसे यहा अधिकाधिक अनुदानित शाला, महाविद्यालय संस्थाओं द्वारा ही संचालित है, परंतु शाला, महाविद्यालय के कर्मचारियों को सरकारी नियमानुसार वेतनश्रेणी लगायी गयी है, जबकि इन अनुदानित ग्रंथालय कर्मचारियों को कोई वेतनश्रेणी नहीं दी गई हैं। अभी मेरी ऐसे ही एक सार्वजनिक ग्रंथालय क्लास ए "वर्ग - अन्य अ" के ग्रंथालय कर्मचारी से बात हुयी, उन्होंने बताया कि 1977 में 50 रूपये माह वेतन था, जो अब 12000 रुपये हुआ हैं। मतलब पिछले 49 साल में बारह हजार रूपये तक ही पहुंच पाए है, अर्थात श्रम आयुक्त, महाराष्ट्र द्वारा अधिसूचित, अकुशल पडेगा, जीना बहुत मुश्किल हो चूका है, इस स्थिति तक मानसिकता पहुंच चुकी हैं। यह स्थिति उन ग्रंथालयीन कर्मचारियों की है जो ज्ञान रूपी भंडार समृद्ध कर हम तक ग्रंथालयीन सेवाएं अविरत प्रवाहित करते हैं।

आज देश के अनेक राज्यों के विविध क्षेत्रों के सभी स्तर पर ज्ञान केंद्रों में ग्रंथालय कर्मचारियों की भारी कमी हैं। पुराने कर्मचारी सेवानिवृत्त होते है, लेकिन नए कर्मचारी पद नहीं संभालते, क्योंकि बरसों से पद भर्ती नहीं हुई है। महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अनुदानित स्कूल के ग्रंथालयों में ढूंढने पर शायद कही कोई कर्मचारी दिख जायेगा, वर्ना अधिकतम अनुदानित स्कूल के ग्रंथालय बिना कुशल कर्मचारियों के ही चल रही हैं। महाराष्ट्र के अनेक वरिष्ठ महाविद्यालयों में पुस्तकालयाध्यक्ष के पद रिक्त पड़े है, अनेक विश्वविद्यालयों में भी यही नजारा है। अगर जरुरत पड़ी तो ठेका पद्धति पर कुछ समय के लिए कर्मचारी रखकर काम चलाते हैं। जबकि दूसरी ओर इस विषय में उच्च शिक्षित वर्ग में भयावह बेरोजगारी का आलम है, ठेका पद्धति के एक छोटेसे ग्रंथालयीन कर्मचारी पद के लिए जिसका मासिक वेतन न्यूनतम मजदूरी के आसपास होगा, ऐसे पद के लिए भी सैकड़ो की संख्या में उच्च शिक्षित उम्मेदवार कतार में लगे होते हैं। 20-25 साल पहले जिन्होंने इस विषय में उच्च शिक्षा हासिल की, वे आज भी इस क्षेत्र में रोजगार से वंचित है, जिंदगी जीने के लिए मज़बूरी में मिले वो काम कर लेते हैं। अभी हाल ही में महाराष्ट्र राज्य के अनुदानित वरिष्ठ महाविद्यालय में पुस्तकालयाध्यक्ष (असिस्टेंट प्रोफेसर) पद हेतु 1 करोड़ से ज्यादा का रेट तय होने की भ्रष्टाचार की खबरें समाचारपत्रों में पढ़ी थी, वैसे तो अक्सर ही ऐसी खबरें लगातार आती रहती हैं। ग्रंथालयों में कुशल कर्मचारियों की कमी, उचित वेतनमान न मिलना, ग्रंथालय विकास हेतु निधि की कमी, ग्रंथालय विषय क्षेत्र में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी, पदभरती न होना, भ्रष्टाचार, लालफीताशाही यह समस्याएं ज्ञान केंद्र रूपी ग्रंथालयों को विकसित होने से रोकती है।

इन समस्याओं को सरकार ने जल्द सुलझाना चाहिए। देश की नई शिक्षा प्रणाली और समाज को विश्वस्तरीय ग्रंथालयीन सेवाओं के लिए यह जरुरी हैं। ग्रंथालय अनेक घटकों से मिलकर बनी बेहद महत्वपूर्ण श्रृंखला है, बीच में एक भी घटक कमजोर होने पर ग्रंथालय का स्तर गिरता है, क्योंकि ग्रंथालयीन सेवाएं सीधे अवरुद्ध हो जाती है, सभी घटकों की समृद्धता ही समृद्ध ग्रंथालय का आधार हैं। इसमें गुणवत्तापूर्ण साहित्य सामग्री, पाठकों के मांग अनुरूप पूर्ति हेतु बेहतर ग्रथालयीन सेवाएं, तकनिकी और उन्नत संसाधन, कुशल कर्मचारी, कर्मचारियों को बेहतर वेतनमान, समयानुसार पदभर्ती, पर्याप्त निधि और लगातार विकसित ग्रंथालयीन रुपरेखा के क्रियान्वयन का दृष्टिकोण बेहद आवश्यक हैं।

यह सब मिलकर एक समृद्ध विकसित ग्रंथालय की संकल्पना को साकार करते है, जो हर देश, सरकार और समाज का लक्ष्य होता हैं। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग ग्रंथालयों के विकास में नींव का पत्थर साबित हो रहा हैं। समृद्धता हमें विकसित समाज निर्मिति के प्रगति पथ पर अग्रसर करती हैं। प्रत्येक छात्र, प्रत्येक नागरिक और दुनिया में हर एक मनुष्य तक गुणवत्तापूर्ण ग्रंथालयीन सेवाओं की पहुंच सहज होनी चाहिए, क्योंकि सूचनाओं और ज्ञान की भूख प्रत्येक की जरुरत होती है और यह तभी संभव है जब ग्रंथालय के हर एक घटक की समृद्धता बढ़ेगी, तभी यह सभी मिलकर विकसित ग्रंथालय संचालित करेंगे।

एक नजर

जिले में उत्तर-पूर्वी हवाओं के प्रभाव से ठंड बढ़ने लगी

जगदलपुर, 12 नवंबर । बस्तर जिले में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, उत्तर-पूर्वी हवाओं के प्रभाव से क्षेत्र में ठंडक बढ़ने लगी है, जिससे लोगों को सुबह और शाम के वक्त सिहरन का अहसास होने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और अधिक गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे ठंड का असर और तेज होगा।बस्तर के साथ-साथ कोंडागांव, नारायणपुर, कांकेर, और दंतेवाड़ा में भी न्यूनतम तापमान में आंशिक गिरावट दर्ज की जा रही है। सुबह के अधिकतम तापमान दिन का पारा लगभग 28 से 29डिसें. खिली धूप के साथ शुष्क मौसम दर्ज किया जा रहा है। न्यूनतम तापमान रात का पारा गिरकर 14से 15 डिसें के आसपास पहुंच गया जिससे हल्की ठंड लगने लगी है। हवा की स्थिति उत्तर-पूर्व दिशा से 05 से 08 किमी/घंटा की रफ्तार से ठंडी हवाएं चल रही है। वर्षा की संभावना शून्य प्रतिशत होने से दूर-दूर तक बारिश के कोई आसार नहीं है, मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। सुबह के समय हल्के कोहरे या धुंध के साथ सर्द हवाएं चलने से ठंड का अहसास बढ़ गया है। हालांकि दिन चढ़ने के साथ तेज धूप खिलने से तापमान सामान्य बना रहेगा।

15 नवंबर से 88 केंद्रों पर 51,068 पंजीकृत किसानों से होगी धान खरीदी

जगदलपुर, 12 नवंबर । बस्तर जिले के किसानों के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का बहुप्रतीक्षित महाअभियान आगामी 15 नवंबर से प्रारंभ होने जा रहा है, जिसको लेकर बस्तर जिला प्रशासन ने अपनी तमाम तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले भर में स्थापित कुल 88 उपार्जन केंद्रों में यह खरीदी आगामी 15 जनवरी तक निरंतर चलेगी। दूर-दराज के अन्नदाताओं की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष 09 नए उपार्जन केंद्र भी बनाए गए हैं, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए लंबी दूरी तय करने से राहत मिल सके। आधिकारिक पंजीयन आंकड़ों के अनुसार जिले में 67,538.0160 हेक्टेयर रकबे के साथ कुल 51,068 किसान पंजीकृत हैं।धान उपार्जन की संपूर्ण व्यवस्था को पारदर्शी, सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से %किसान-तुंहर टोकन% मोबाइल ऐप के माध्यम से टोकन वितरण की प्रक्रिया विधिवत शुरू कर दी गई है। नई व्यवस्था के अंतर्गत कुल टोकनों में से 70 प्रतिशत टोकन %किसान-तुंहर टोकन% मोबाइल ऐप के जरिए ऑनलाइन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि शेष 30 प्रतिशत टोकन उपार्जन केंद्रों व समितियों के माध्यम से सीधे वितरित किए जाएंगे, जिससे किसानों को घर बैठे सुविधा मिलने के साथ ही केंद्रों पर भी विकल्प उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा रकबे के आधार पर सीमांत किसानों को अधिकतम एक, लघु किसानों को दो तथा दीर्घ किसानों को अधिकतम तीन टोकन जारी करने की पात्रता तय की गई है।टोकन पंजीयन की यह ऑनलाइन सुविधा रविवार से शुक्रवार तक 24 घंटे उपलब्ध रहेगी, हालांकि शनिवार, रविवार एवं अन्य शासकीय अवकाश के दिनों में तौल कार्य पूरी तरह बंद रहेगा। नियमों के अनुसार टोकन जनरेट होने के उसी दिन की तौल तिथि का चयन वर्जित रहेगा। इसके साथ ही केवल उन्हीं किसानों के टोकन जारी हो सकेंगे जिनके बैंक और ऋण खाते विधिवत सत्यापित हैं, तथा टोकन में प्रति बोरा 0.40 क्विंटल के तय अनुपात में प्रविष्टि दर्ज करना अनिवार्य रहेगा। प्रशासन ने सभी पंजीकृत किसानों से तय नियमों का पालन करते हुए समय पर टोकन प्राप्त कर अपनी उपज का विक्रय सुनिश्चित करने की अपील की है।

विधायक का मोबाइल हैक, व्हाट्सएप से भेजे जा रहे पैसे मांगने के मैसेज

जगदलपुर, 12 नवंबर । जिले के विधायक आशाराम नेताम का मोबाइल नंबर हैक कर उनके व्हाट्सएप के जरिए लोगों से पैसे मांगने का मामला सामने आया है। बुधवार सुबह विधायक के मोबाइल नंबर से कई लोगों को अर्जेंट पैसे की जरूरत बताकर मैसेज भेजे गए। इसकी जानकारी मिलते ही विधायक ने स्वयं सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। विधायक आशाराम नेताम ने जानकारी दी है कि उनका मोबाइल नंबर हैक हो गया है। इस नंबर से किसी भी व्यक्ति को व्हाट्सएप मैसेज, कॉल या पैसों की मांग किए जाने पर भरोसा न करें और किसी भी तरह का आर्थिक लेन-देन न करें।बताया जा रहा है कि सुबह कई लोगों के मोबाइल पर विधायक के नंबर से अचानक पैसों की मांग वाले मैसेज आने लगे। कुछ लोगों ने जब सीधे विधायक से संपर्क कर इसकी पुष्टि की, तब मोबाइल नंबर हैक होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद विधायक ने तत्काल पुलिस को पूरे मामले की सूचना दी। मामले की जानकारी मिलने के बाद साइबर पुलिस की टीम जांच कर रही है। विधायक ने क्षेत्रवासियों, पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि उनके नंबर से आने वाले किसी भी संदिग्ध मैसेज पर प्रतिक्रिया न दें और न ही पैसे ट्रांसफर करें. साथ ही इस सूचना को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक साझा करें।

एनएमडीसी स्टील प्लांट में पिघला लोहा गिरने से ऑपरेटर की मौत सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

मजदूर की मौत पर उठे सवाल तो जनसंपर्क अधिकारी रफीक की कथित चुप्पी ने बढ़ाई नाराजगी; क्या एनएमडीसी में उत्पादन की कीमत मजदूरों की जिंदगी है?

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर/नगरनार,12 नवंबर। नगरनार स्थित एनएमडीसी स्टील प्लांट में एक बार फिर औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था की दर्दनाक तस्वीर सामने आई है। ड्यूटी के दौरान पिघले लोहे (स्लैग) की चपेट में आने से 31 वर्षीय ऑपरेटर मंगल साय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। छोटे देवड़ा गांव निवासी मंगल साय वर्ष 2023 से प्लांट में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। जिस नौजवान के कंधों पर परिवार की जिम्मेदारियां थीं, वह रोजी-रोटी कमाने प्लांट पहुंचा था, लेकिन वापस घर नहीं लौट सका। इस हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं और एनएमडीसी प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था को एक बार फिर सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ड्यूटी के दौरान मंगल साय पिघले लोहे की चपेट में आ गया। हादसा इतना भयावह था कि उसे संभलने तक का मौका नहीं मिला और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही नगरनार पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद कर मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह और सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों का खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। हादसे दोहराए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था का हिसाब कौन देगा?एनएमडीसी स्टील प्लांट में



दुर्घटनाओं को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। इसके बावजूद एक बार फिर एक कर्मचारी की जान चली गई। सवाल यह है कि आखिर संवेदनशील औद्योगिक क्षेत्रों में कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए कौन से पुख्ता इंतजाम किए गए हैं? क्या नियमित रूप से सुरक्षा ऑडिट किया जाता है? क्या कर्मचारियों को पर्याप्त और निर्धारित सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं? क्या पिघले लोहे जैसे अत्यंत जोखिमपूर्ण कार्यक्षेत्र में पर्याप्त निगरानी और आपातकालीन बचाव व्यवस्था मौजूद है?

एनएमडीसी देश के प्रतिष्ठित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में शामिल है। कंपनी औद्योगिक विकास, निवेश और उत्पादन की उपलब्धियां गिनाने में पीछे नहीं रहती, लेकिन जब उसी संस्थान में काम करने वाले कर्मचारी की जान चली जाती है, तब सुरक्षा व्यवस्था और जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है।आखिर उत्पादन के आंकड़े इतने महत्वपूर्ण कैसे हो सकते हैं कि उनके सामने एक श्रमिक की जिंदगी से जुड़े सवाल छोटे पड़ जाएं? क्या कर्मचारियों की सुरक्षा केवल कागजों और सुरक्षा संबंधी दावों तक सीमित है, या वास्तव में जमीन पर भी उसका पालन कराया जा रहा है?

इस पूरे घटनाक्रम में एनएमडीसी स्टील प्लांट के जनसंपर्क अधिकारी रफीक का रवैया भी चर्चा और सवालों के घेरे में है। घटना को लेकर जब तरुण छत्तीसगढ़ के संवाददाता ने उनसे जानकारी लेने का प्रयास किया, तो आरोप है कि उन्होंने फोन का जवाब नहीं दिया। अन्य पत्रकारों द्वारा भी संपर्क करने की कोशिश किए जाने की बात सामने आई है।

यहां सवाल केवल फोन उठाने या नहीं उठाने का नहीं, बल्कि एक बड़े सार्वजनिक उपक्रम की जनसंपर्क व्यवस्था की जवाबदेही का है। जनसंपर्क अधिकारी का पद केवल कंपनी की उपलब्धियों का प्रचार करने, प्रेस विज्ञप्तियां जारी करने और संस्थान की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करने के लिए नहीं होता, बल्कि किसी गंभीर दुर्घटना के समय संस्थान का पक्ष रखने और मीडिया के सवालों का जवाब देने की जिम्मेदारी भी इसी पद से जुड़ी होती है। जब प्लांट में उत्पादन बढ़ता है तो उपलब्धियों का बखान करने के लिए शब्दों की कमी नहीं होती, लेकिन जब किसी मजदूर की मौत होती है तो क्या जवाबदेही भी छुट्टी पर चली जाती है? क्या जनसंपर्क अधिकारी की जिम्मेदारी सिर्फ अच्छी खबरों तक सीमित है? यदि किसी औद्योगिक दुर्घटना में कर्मचारी की जान गई है, तो मीडिया के सवालों का जवाब देना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। जांच जारी होने का हवाला देकर संवेदनशील सवालों से बचा जा सकता है, लेकिन चुप्पी साध लेने से जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती।

प्रबंधन से सवाल- आखिर कब मिलेगी सुरक्षा और जवाबदेही की गारंटी?

मंगल साय की दर्दनाक मौत के बाद एनएमडीसी प्रबंधन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और उस समय संबंधित कार्यस्थल पर सुरक्षा के क्या इंतजाम थे? क्या ऑपरेटर को निर्धारित सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे? क्या संबंधित क्षेत्र में सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा था? क्या हादसे के समय की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखी गई है, ताकि दुर्घटना की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाया जा सके? क्या मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी?सबसे बड़ा सवाल मृतक के परिवार के भविष्य का है। मंगल साय की मौत के बाद उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। क्या प्रबंधन परिवार को उचित मुआवजा, आर्थिक सहायता और नियमानुसार अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराएगा? क्या परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कोई ठोस पहल की जाएगी, या फिर कुछ औपचारिक आश्वासनों के बाद यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा?वहीं, जनसंपर्क अधिकारी रफीक की कथित चुप्पी पर भी प्रबंधन को अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। जब एक कर्मचारी की मौत जैसी गंभीर घटना पर पत्रकार जानकारी मांग रहे हैं, तब एनएमडीसी का आधिकारिक पक्ष सामने क्यों नहीं आ रहा है? क्या पत्रकारों के सवालों से बचना ही जनसंपर्क व्यवस्था का नया तरीका बन गया है? आखिर सार्वजनिक क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित संस्थान में पारदर्शिता और जवाबदेही की अपेक्षा करना क्या गलत है?

एक परिवार उजड़ा, अब चुप्पी नहीं जवाब चाहिए!

31 वर्षीय मंगल साय अपने परिवार का भविष्य संवारने और रोजी-रोटी कमाने प्लांट पहुंचा था, लेकिन उसकी जिंदगी वहीं समाप्त हो गई। उसके पीछे एक परिवार है, जिसकी खुशियां इस हादसे ने छीन लीं। ऐसे समय में परिवार को केवल संवेदना नहीं, बल्कि न्याय, आर्थिक सहायता और भविष्य की सुरक्षा की जरूरत है।एनएमडीसी प्रबंधन को सामने आकर घटना की पूरी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। जनसंपर्क अधिकारी रफीक को भी पत्रकारों के सवालों का जवाब देना चाहिए। जनता के संसाधनों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से जुड़ी घटनाओं पर सवाल पूछना मीडिया का अधिकार और जिम्मेदारी दोनों है।मंगल साय की मौत को महज एक औद्योगिक दुर्घटना बताकर जिम्मेदारियों से पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि उन तमाम मजदूरों की सुरक्षा का सवाल है, जो हर दिन अपनी मेहनत और जोखिम के दम पर उद्योग को गति देते हैं।एनएमडीसी प्रबंधन को समझना होगा कि स्टील प्लांट में लोहा पिघलता है, जवाबदेही नहीं। मजदूरों की जिंदगी किसी उत्पादन लक्ष्य से छोटी नहीं हो सकती। आखिर किसी भी उद्योग की सबसे बड़ी उपलब्धि उत्पादन का आंकड़ा नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि वहां काम करने वाला हर कर्मचारी सुरक्षित अपने घर लौटे। मंगल साय के परिवार को न्याय और प्लांट के प्रत्येक कर्मचारी को सुरक्षित कार्यस्थल मिलना ही इस हादसे के बाद सबसे बड़ी मांग है।

बस्तर में नशे के सौदागरों के हौसले बुलंद! अंतरराज्यीय तस्करों पर कार्रवाई का दावा लेकिन गांवों में खुलेआम बिक रहा गांजा

25 ग्राम गांजा 500 रुपये में बेचने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, आखिर स्थानीय नशे के कारोबारियों पर कब कसेगा पुलिस का शिकंजा?

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर,12 नवंबर। बस्तर में नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के दावे लगातार सामने आ रहे हैं। अंतरराज्यीय गांजा तस्करों पर कार्रवाई कर पुलिस अपनी पीठ थपथपा रही है, लेकिन दूसरी ओर जिले के ग्रामीण इलाकों में कथित तौर पर खुलेआम फल-फूल रहे गांजे के कारोबार पर लगाम लगाने की चुनौती अब भी बरकरार है।

सवाल यह है कि जब पुलिस बड़े तस्करों तक पहुंच सकती है, तो गांव-गांव में कथित तौर पर चल रहे नशे के कारोबार पर उसकी नजर क्यों नहीं पड़ रही है? क्या पुलिस की कार्रवाई सिर्फ बड़ी खेप पकड़ने तक सीमित रह गई है? छोटे स्तर पर नशे का कारोबार करने वालों के लिए कानून का डर आखिर कहां गायब हो गया है?गौरतलब है कि इससे पहले परपा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भाटागुड़ा के दो कथित गांजा तस्करों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। लेकिन स्थानीय स्तर पर सामने आ रही चर्चाओं और दावों के



नशे का कारोबार युवा पीढ़ी के भविष्य से जुड़ा गंभीर सवाल भी

बस्तर में नशे का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी के भविष्य से जुड़ा गंभीर सवाल है। एक तरफ नशामुक्त समाज बनाने की अपील की जाती है, दूसरी तरफ यदि गांवों और जंगलों में नशीले पदार्थों की बिक्री के आरोप सामने आते रहें, तो इन अभियानों की सफलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।अब बस्तर पुलिस को केवल बड़ी खेप पकड़ने और कार्रवाई की उपलब्धियां गिनाने से आगे बढ़कर स्थानीय स्तर पर सक्रिय कथित नशे के नेटवर्क की भी निष्पक्ष जांच करनी होगी।

जनता का सीधा सवाल है- क्या बस्तर में नशे के खिलाफ कार्रवाई केवल प्रेस नोट और पुलिसिया आंकड़ों तक सीमित रहेगी, या वास्तव में गांव-गांव में नशे का कारोबार करने वालों पर भी कानून का शिकंजा कसेगा?क्योंकि नशे का कारोबार करने वालों के लिए अगर कानून का डर ही खत्म हो जाए, तो नशामुक्त बस्तर का सपना आखिर कैसे साकार होगा?

मुताबिक, जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद उनके दोबारा इस गतिविधि में शामिल होने के आरोप लग रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह पुलिस की निगरानी और कार्रवाई की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने फिर खोली नशे के कारोबार की पोल!

इसी बीच सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो ने बस्तर में गांजे के कथित अवैध कारोबार को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज कर दी है। वायरल वीडियो में एक युवक द्वारा कथित तौर पर 25 ग्राम गांजा 500 रुपये में बेचने की बात सामने आ रही है।वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर युवक की पहचान आशीष के रूप में बताई जा रही है, जो बकावंड ब्लॉक के उलनार ग्राम पंचायत का निवासी बताया जा रहा है। यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि झुनौनी और उपाई के जंगल क्षेत्र में गांजा एवं चरस की बिक्री की जाती है। हालांकि, इन दावों और वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि तथा पुलिस जांच आवश्यक है।

बेदरे मार्ग पर मिला 5 किलो का प्रेशर आईईडी बीडीएस ने मौके पर किया नष्ट



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 12 नवम्बर। जिले में माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से लगाए गए विस्फोटक की बरामदगी का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में बीजापुर पुलिस ने करकेली से बेदरे मार्ग पर सड़क किनारे कच्ची पगडंडी के पास लगाए गए लगभग 5 किलोग्राम वजनी टिफिन प्रेशर ढ्वश्वष्ठ को बरामद कर सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मौके पर पहुंचे बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) एवं थाना बेदरे के जवानों ने निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए डी-माइनिंग की कार्रवाई की। जांच के दौरान ढ्वश्वष्ठ प्रेशर स्विच सिस्टम से लगाया जाना पाया गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने सावधानीपूर्वक कार्रवाई करते हुए विस्फोटक को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में संभावित विस्फोट की आशंका को टाल दिया गया। बीजापुर पुलिस द्वारा माओवादी गतिविधियों और उनके द्वारा लगाए गए विस्फोटकों की तलाश के लिए लगातार सतर्कता बरती जा रही है।

बुजर्ग की नृशंस हत्या का आरोपित गिरफ्तार



कोंड़ागांव, 12 नवंबर । जिले के थाना फरसगांव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिचाडी में बुजर्ग मृतक मंगऊ वट्टी के नृशंस हत्या के मामले में हत्या के आरोपी विकास मरकाम पिता सखराम मरकाम उम्र 21 वर्ष निवासी चिचाडी बड़ेपारा थाना फरसगावं जिला कोण्डागांव को गिरफ्तार कर लिया है। मामला अजमानतीय होने से कार्यवाही उपरांत आरोपी विकास मरकाम को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायालय के आदेशानुसार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल कर दिया गया।

फरसगांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रंजित वट्टी पिता मंगऊ वट्टी उम्र 30 साल निवासी ग्राम चिचाडी थाना फरसगांव ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 9 नवंबर 2026 के प्रातः 05 बजे अपने घर से खेत जाने के लिए निकला था। गांव के शीतला मंदिर के पास अपने पिता मृतक मंगऊ वट्टी को गांव के रोड किनारे गिरे हुए देख तब उसको उठाने के लिए आवाज दिया और उसको छुआ तब इसके पिता मृतक मंगऊ वट्टी का शरीर ठंडा हो गया था। सिर से बहुत ज्यादा खून निकला देख गांव के अन्य व्यक्ति को बता कर रिपोर्ट दर्ज कराये। रिपोर्ट पर मर्ग इंटीमेशन दर्ज कर जॉच पंचनामा कार्यवाही में लिया गया बाद मृतक के शव का पी.एम. कराया गया डॉक्टर साहब के द्वारा मृतक मंगऊ वट्टी की मृत्यु शॉर्ट पीएम. रिपोर्ट में सिर में संघातक चोंट लगने से होना लेख किया गया है। बाद मर्ग क्रमांक 102/2026 धारा 194 बीएनएसएएस व अपराध कमांक 150/2026 धारा 103 (1) बीएनएस. कायम कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ अधिकारियों के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी आलोक साहू निरीक्षक के द्वारा विशेष टीम तैयार कर आरोपी विकास मरकाम पिता सखराम मरकाम उम्र 21 वर्ष निवासी चिचाडी बड़ेपारा थाना फरसगावं जिला कोण्डागांव छ.ग. का पता तलाश कर थाना लाकर पूछताछ कर मेमोरेण्डम कथन लेने पर बताया कि पूर्व में टुल्लू पंप चोरी में मृतक मंगऊ वट्टी के द्वारा गांव वाले के सामने मीटिंग में मेरा नाम ले देने से बईज्जती होने से रंजिश रखता था। जिस कारण मौका पाकर 08 नवंबर 2026 के रात्रि 10.30 बजे लगभग गांव के शीतला मंदिर के पास अंधेरे का फायदा उठा कर लात से मार कर जमीन में गिरा कर पत्थर से मंगऊ वट्टी के सिर में तीन-चार बार मारकर हत्या करना बताया गया।

पौने दो करोड़ के सोना चोर गिरोह का पुलिस ने किया पर्दाफाश

जगदलपुर, 12 नवंबर। बस्तर पुलिस द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 07 नवंबर शाम करीबन 16.30 बजे के महिलाओं का संगठित गिरोह एक साथ होकर ज्वेलरी दुकान में भीड़ लगाकर ज्वेलरी दुकान वालों का ध्यान भटकाकर बड़ी ही चालाकी से दराज़ मे रखे सोने के आभूषण से भरे प्लास्टिक के बॉक्स को चोरी करने वाले गिरोह पर कार्यवाही करने में बस्तर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

सीएपी आंशिका जैन ने बताया कि संजय मार्केट स्थित मोती ज्वेलर्स में चोरी करने वाले महिलाओं का एक गिरोह झुण्ड में प्रवेश कर त्योहार का भीड़भाड़ का फायदा उठाते हुए तथा ज्वैलरी दुकान वालों का ध्यान भटकाया। उनके दराज़ में रखे सोने के आभूषण से भरे प्लास्टिक के बॉक्स को चोरी कर ले गए कि रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध पंजीबद्ध किया गया ।

प्रार्थीया ने थाना कोतवाली जगदलपुर में रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह अपने ज्वेलरी शॉप में आभूषण बेच रही थी, त्योहार के कारण दुकान में भीड़ थी तभी कुछ महिलाओं का ज्यादा हो गई थी जिसके बाद शाम करीबन 07.30 बजे यह सोने के टॉप्स वाला बॉक्स को ढूंढी जो नहीं मिला। अपने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा को देखी तब पता चला कि करीबन 16.30 बजे 05-07 महिलाओं एवं बच्चों का समूह दूकान में आए थे और उनमें से एक महिला द्वारा दुकान के दराज़ में रखे सोने के आभूषण वाले प्लास्टिक के बॉक्स को निकाल कर उसे विधि से संघर्षरत बालिका को देकर संगठित रूप से चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना दौरान चोरी गये सोने के आभूषण एवं अज्ञात चोर का पता तलाश किया गया।पतासाजी के दौरान सीसीटीवी से प्राप्त चोरी के वीडियो क्लिप एवं फोटो तथा सायबर सेल की मदद एवम् मुखबिर की सूचना से उपरोक्त आरोपीगण का पीछा किया गया। एक सफ़ेद रंग का स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक छ्त्त 17 ष्ट 3511 को पहचान किया गया तथा उसके मालिक से पूछताछ करने पर उसने वाहन को दुआ मोटर्स में बेचना बताया जो दुआ मोटर्स से पूछताछ करने पर एक व्यक्ति मासों कश्यप पथरीली उड़वा, कोड़ेनार के द्वारा खरीदना बताया। नगर पुलिस अधीक्षक अंशिका जैन ढ्वक्र के नेतृत्व में चार टीमों निरीक्षक लीलाधर राठौर, निरीक्षक प्रमोद ठाकुर, उप निरीक्षक अमित सिदार तथा उप निरीक्षक अरुण मरकाम का गठन किया गया। टीम कोड़ेनार के विभिन्न क्षेत्रों में पकड़ धकड़ हेतु रवाना हुए। सस्पेक्ट व्यक्तियों के गांव पथरीली उड़वा में रेड कार्यवाही किया गया। आरोपीगण पहले से ही चोरी किए सामान को लेकर जंगल की ओर छुपने चले गये थे जिन्हें रात में ही जंगल को घेराबंदी कर आरोपीगण को पकड़ने का प्रयास किया गया। जंगल तथा बड़ी घास का मैदान विशाल होने से रात्रि में थर्मल कैमरा ड्रोन तथा ड्रोन कैमरा से ढूंढने का प्रयास किया गया। संभावित छुपने के लोकेशन पर विभिन्न टीमों को पैदल गश्त के माध्यम से ढूंढा गया। आरोपीगण को अलग अलग जगहों से अभिरक्षा में लेकर पुछताछ करने पर आरोपीगण द्वारा चोरी की घटना करना स्वीकार किया तथा चोरी किए गए सोने के आभूषणों को बरामद कराया। वजन 765.7 ग्राम सोने के आभूषणों को पैकेट सहित तथा घटना में प्रयुक्त एक स्कॉर्पियो वाहन, एक मोटरसाईकिल को विधिवत् जप्त कर सभी 05 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एक विधि से संघर्षरत बालिका को विधिवत् न्यायालय पेश किया गया। प्रकरण में मासों कश्यप, बूदरू कश्यप तथा चिंटू मंडावी अभी भी फरार हैं जिनका पता तलाश की जा रही है। आरोपियों के कब्जे से 765.7 ग्राम सोना के विभिन्न आभूषण, एक स्कॉर्पियो वाहन, एक तीनपहिया वाहन आटो, एक मोटरसाइकिल जब्त की गयी है।

रिश्वत के 20 वर्ष पुराने मामले में एसीबी ने दो अफसरों के खिलाफ चालान पेश किया

कोंडागांव, 12 नवंबर। जिले में रिश्वत के 20 वर्ष पुराने मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने दो तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया है। मामला साल 2006 का है, आरोप है कि विद्युतीकरण के काम का ले-आउट देने और अटके बिलों का भुगतान कराने के लिए 05 हजार रुपए रिश्वत मांगी गई थी। ट्रैप कार्रवाई के दौरान रिश्वत की रकम लेने वाला तत्कालीन एसडीओ मुजीब मोहम्मद शाह कार से भागने लगा था। एसीबी टीम ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने कार से टीम के सदस्यों को टक्कर मारने का प्रयास किया, इसमें एक अधिकारी घायल हो गया था। इस मामले में तत्कालीन एक्जीक्यूटिव इंजीनियर राकेश कुमार शर्मा और एसडीओ मुजीब मोहम्मद शाह के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आज चालान पेश किया गया है।

मामला ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग का है, शिकायतकर्ता हेमेश कुमार गांधी को विभाग से आश्रम भवन, उप स्वास्थ्य केंद्र और बालक छात्रावास में विद्युतीकरण का काम मिला था। इन कामों का ले-आउट देने और अटके बिलों का भुगतान कराने के बदले तत्कालीन एक्जीक्यूटिव इंजीनियर राकेश कुमार शर्मा ने 05 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी। हेमेश कुमार गांधी ने 08 दिसंबर 2006 को इसकी शिकायत एसीबी से की थी। शिकायत की जांच के बाद एसीबी ने 14 दिसंबर 2006 को रिश्वत लेते पकड़ने के लिए ट्रैप की योजना बनाई। ट्रैप कार्रवाई के दौरान कार्यपालन अभियंता के कहने पर एसडीओ मुजीब मोहम्मद शाह ने शिकायतकर्ता से 05 हजार रुपए ले लिए। इसके बाद वह कार से भागने लगा।एसीबी की टीम ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने कार से टीम के सदस्यों को टक्कर मारने का प्रयास किया। इस दौरान एसीबी का एक अधिकारी घायल हो गया। भागते समय आरोपी ने ग्राम बोल-बोला के पास रिश्वत की रकम फेंक दी थी। एसीबी ने पूरी रकम बरामद कर ली थी। वहीं, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर राकेश कुमार शर्मा के सरकारी आवास की तलाशी में 06 लाख 30 हजार 200 रुपए नकद मिले थे। एसीबी ने यह रकम भी जब्त की थी। जांच के दौरान एसीबी ने रिश्वत मांगने और लेन-देन से जुड़ी रिकॉर्डिंग, गवाहों के बयान और संबंधित दस्तावेज जुटाए। जब्त रकम और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की रिपोर्ट को भी जांच में शामिल किया गया। एफएसएल की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली।

नक्सलवाद के खात्मे से बस्तर के 7 जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के बढ़ रहे अवसर

जगदलपुर, 12 नवंबर। बस्तर संभाग के सातों जिलों में नक्सलवाद का असर खत्म होने के साथ विकास की नई शुरुआत हो रही है। बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और सुकमा के अंदरूनी गांवों में अब शांति, सुरक्षा और बेहतर सुविधाओं पर जोर दिया जा रहा है।

कभी हिंसा और डर के साये में रहने वाले इन इलाकों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और मोबाइल नेटवर्क जैसी सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास तेज हुए हैं। साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और कमाई के नए रास्ते भी तैयार किए जा रहे हैं।

नक्सलवाद के दौर में बस्तर के कई अंदरूनी गांवों में लोगों को लगातार हिंसा, धमकियों और असुरक्षा का सामना करना पड़ता था। कई गांवों में स्कूल, पक्की सड़कें, पुल और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं थीं। सड़क और मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से इन इलाकों का दूसरे क्षेत्रों से संपर्क भी मुश्किल था।नक्सली प्रभाव के कारण कई जगह सरकारी योजनाओं और रोजगार के अवसरों का लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पाता था। इससे ग्रामीण विकास की मुख्यधारा से दूर रह गए थे। सुरक्षाबलों की सक्रियता और प्रशासन की पहुंच बढ़ने से अंदरूनी इलाकों में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। गांवों को जोड़ने के लिए सड़कें और पुल बनाए जा रहे हैं। परिवहन सुविधाएं बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है।शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों, आश्रम शालाओं और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के बेहतर अवसर देने की कोशिश हो रही है। वहीं, हाट-बाजार क्लीनिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और मोबाइल मेडिकल यूनिट के जरिए दूरस्थ इलाकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। दूरस्थ गांवों में बिजली, मोबाइल टावर और इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों को संचार सुविधाओं के साथ सरकारी योजनाओं और ऑनलाइन सेवाओं का लाभ लेने में मदद मिलेगी। प्रशासन की कोशिश है कि सरकारी योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।बस्तर में स्थानीय उपज और वनोपज के जरिए रोजगार बढ़ाने की संभावनाएं हैं। हल्दी, इमली, कोदो-कुटकी और बांस जैसी उपज को बढ़ावा दिया जा रहा है। महुआ, तेंदूपत्ता, लाख और शहद के संग्रहण के साथ इन

एक नजर

शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों से कमार जनजाति के जीवन में आ रहा बदलाव



महासमुंद 12 नवम्बर । कभी जंगलों और दुर्गम रास्तों के बीच बसे छोटे-छोटे डेरों में अभावों के बीच जीवन बिताने वाला कमार जनजाति का समुदाय आज विकास की मुख्यधारा से जुड़कर नई राह पर आगे बढ़ रहा है। जिन बस्तियों तक पहुंचना कभी मुश्किल था, वहां अब पक्की सड़कें पहुंच रही हैं। जिन घरों में अंधेरा और असुरक्षा थी, वहां बिजली की रोशनी और पक्के मकानों ने जगह ले ली है। स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा और शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने से इन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव दिखाई देने लगा है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समुदायों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू किया गया प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान पीएम-जनमन महासमुंद जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के लिए उम्मीद, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बन रहा है। वहीं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में शासन द्वारा इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि कमार समुदाय के प्रत्येक परिवार तक बुनियादी सुविधाएं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंच सके। केंद्र और राज्य शासन के समन्वित प्रयासों से कमार बस्तियों में विकास और वर्षों से सुविधाओं से वंचित परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

आदिम जाति अनुसंधान केंद्र के आधारभूत सर्वेक्षण 2015-16 के आधार पर महासमुंद जिले में इनका सर्वे कार्य किया गया था जिसके आधार पर वर्तमान में कुल 923 कमार परिवार में कुल जनसंख्या 3309 है, जिनमे पुरुष जनसंख्या 1614 एवं महिला जनसंख्या 1695 है। सर्वे के अनुसार महासमुंद विकासखंड में 41 ग्राम, बागबाहरा विकासखंड में 33 ग्राम एवं पिथौरा विकासखंड में 2 ग्राम कुल 76 ग्राम में कमार परिवार निवासरत है।जिला प्रशासन द्वारा इस योजना को गंभीरता से लागू करते हुए कमार जनजाति के हर परिवार तक पहुंचने का प्रयास किया गया। जिससे जिले के 26 सड़क विहीन बसाहटों में पक्की सड़कों का निर्माण किया गया है। इससे दूर-दराज के डेरों का संपर्क मुख्य गांवों और शहरों से जुड़ने लगा। नल-जल योजना के माध्यम से सभी घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है। जिन घरों में कभी अंधेरा रहता था, वहां अब बिजली पहुंच चुकी है, अब बच्चे रात में भी पढ़ाई कर पा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 678 कच्चे घरों की जगह पक्के मकानों का निर्माण हुआ, जिससे इन परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिला। बहुउद्देशीय केंद्रों की स्थापना से एक ही स्थान पर आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य सेवाएं और आजीविका से जुड़ी गतिविधियां शुरू हुईं, जिससे महिलाओं और बच्चों को विशेष लाभ मिला। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं अब सीधे इन बस्तियों तक पहुंच रही हैं, जिससे इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ता।आधारभूत सुविधाओं के साथ लोगों को उनके अधिकारों से भी जोड़ा गया। विशेष शिविरों के माध्यम से शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों के आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाते और जाति प्रमाण पत्र बनवाए गए। किसान सम्मान निधि हेतु का लक्ष्य शत प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। अब हर परिवार को नियमित रूप से राशन मिल रहा है। आयुष्मान कार्ड से मुफ्त इलाज की सुविधा मिलने लगी है और बैंक खाते खुलने से शासकीय योजनाओं की राशि सीधे उनके खातों में पहुंच रही है। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। जहां पहले जीवन संघर्ष और अभावों में बीतता था, वहीं अब आत्मविश्वास और आशा की नई रोशनी दिखाई देती है तथा धीरे-धीरे यह समुदाय विकास की मुख्यधारा से जुड़ता जा रहा है।

मोबाइल एप से बुकिंग और टोकन के आधार पर मिलेगा रासायनिक उर्वरक

कांकेर, 12 नवम्बर। उर्वरक वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिले में फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफ एफ एस) प्रणाली के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों का विक्रय शुरू किया गया है। नई व्यवस्था के तहत किसानों को अपनी आवश्यकता के अनुसार एफ एफ एस मोबाइल ऐप के माध्यम से पहले उर्वरक की बुकिंग करनी होगी। बुकिंग के उपरांत प्राप्त क्यूआर कोड अथवा टोकन के आधार पर किसान संबंधित उर्वरक विक्रय केंद्र से खाद प्राप्त कर सकेंगे।

नई प्रणाली के अंतर्गत किसान अपनी चयनित फसल और बोए गए अथवा प्रस्तावित रकबे के आधार पर अनुशंसित मात्रा में उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। इससे उर्वरक वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित होने के साथ ही अनावश्यक भंडारण, कालाबाजारी तथा वितरण में होने वाली अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी। साथ ही उर्वरक विक्रय केंद्रों पर लगने वाली अनावश्यक भीड़ और अव्यवस्था से भी राहत मिलेगी। एफ एफ एस प्रणाली के माध्यम से किसानों की पहचान, भूमि एवं फसल संबंधी जानकारी के आधार पर उर्वरक की आवश्यकता का सत्यापन किया जाएगा। उर्वरक विक्रय के समय निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पॉश मशीन के माध्यम से बिक्री की जानकारी दर्ज की जाएगी।

कृषि विभाग द्वारा जिले की समस्त सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं को एफ एफ एस प्रणाली के तहत उर्वरक विक्रय के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे अपने मोबाइल फोन में एफ एफ एस ऐप डाउनलोड कर अपनी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक की बुकिंग करें। किसान ऐप के माध्यम से घर बैठे खाद की बुकिंग कर सकते हैं और प्राप्त क्यूआर कोड आधारित टोकन के माध्यम से नजदीकी सहकारी समिति अथवा निजी उर्वरक विक्रय केंद्र से अपनी फसल के लिए आवश्यक उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे।

84 हजार से अधिक पंजीकृत किसानों से खरीदा जाएगा धान, अवैध आवक रोकने 20 अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर 24 घंटे रहेगी निगरानी

15 नवंबर से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, रायगढ़ जिले के 112 केंद्रों में होगी व्यवस्था

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 12 नवम्बर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत रायगढ़ जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत 15 नवंबर से होने जा रही है। इसके लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी करने के साथ ही खरीदी केंद्रों में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और अवैध धान की आवक पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाई है। जिले के 112 धान उपार्जन केंद्रों में लगभग 84 हजार 103 पंजीकृत किसानों से उनके पंजीकृत रकबे के आधार पर धान की खरीदी की जाएगी। खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू और किसान सुविधाजनक बनाने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति से लेकर निगरानी दलों के गठन तक आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। वहीं सीमावर्ती क्षेत्रों से कोचियों-बिचौलियों के माध्यम से अवैध धान खपाने की कोशिशों पर रोक लगाने के लिए विशेष निगरानी रखी जाएगी।

112 उपार्जन केंद्रों में होगी खरीदी, निगरानी के लिए गठित हुए उड़नदस्ता दलजिले के सभी 112 धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी व्यवस्था के बेहतर संचालन के लिए जिला एवं केंद्र स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही जिला स्तरीय निगरानी समिति गठित की गई है तथा जिले की सभी 10 तहसीलों में उड़नदस्ता दल तैनात किए गए हैं। ये दल खरीदी प्रक्रिया पर लगातार नजर रखेंगे और अनियमितता पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करेंगे। लगभग 84 हजार 103 पंजीकृत किसानों से शासन के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार धान खरीदा जाएगा। संस्थागत पंजीयन, भूमिहीन किसान, डुबान क्षेत्र, वन अधिकार पट्टा एवं ग्राम कोटवार वर्ग के किसानों के लिए भी शासन के नियमानुसार पंजीयन संबंधी छूट की व्यवस्था लागू रहेगी। प्रशासन का उद्देश्य वास्तविक किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ दिलाना और खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकना है।समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान सीमावर्ती राज्यों से अवैध रूप से धान लाकर जिले के उपार्जन केंद्रों में खपाने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने विशेष निगरानी व्यवस्था बनाई है। इसके तहत जिले में 20 अंतरराज्यीय चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। इन चेक पोस्टों पर संबंधित क्षेत्र के तहसीलदारों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही राजस्व, खाद्य, मंडी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। चेक पोस्टों पर तीन पालियों में चार टीमों के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जाएगी। तैनात अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित समयानुसार उपस्थित रहकर सीमावर्ती क्षेत्रों से आने वाले वाहनों एवं धान की जांच करेंगे। अवैध परिवहन अथवा धान की अनियमित आवक पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कोचियों और बिचौलियों के जरिए अवैध धान की खरीदी-बिक्री को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।गुणवत्ता मानकों के अनुरूप धान की खरीदी, इलेक्ट्रॉनिक कांटे से होगी तौलउपार्जन केंद्रों में केवल वास्तविक किसानों से ही निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप धान खरीदा जाएगा। इसके लिए किसानों को साफ-सुथरा, पर्याप्त सूखा और निर्धारित मानकों के अनुरूप धान लाने के निर्देश दिए गए हैं। खरीदी के दौरान धान की तौल इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्र से की जाएगी। वहीं नमी की जांच के लिए आर्द्रतामापी यंत्रों की उपलब्धता और समय-समय पर उनका कैलिब्रेशन सुनिश्चित किया जाएगा। धान के सुरक्षित भंडारण एवं समय पर उठाव के लिए मार्कफेड द्वारा भंडारण केंद्रों का चयन करने के साथ ड्रेनेज सामग्री और कैप कवर्स की व्यवस्था की जाएगी। खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक शनिवार को जिला नोडल अधिकारी की मौजूदगी में केंद्र स्तरीय नोडल अधिकारियों द्वारा धान के स्टेक और बारदानों का वास्तविक सत्यापन किया जाएगा। इसके अलावा खरीदी अवधि के दौरान प्रत्येक उपार्जन केंद्र का कम से कम दो बार भौतिक सत्यापन भी किया जाएगा।

तुंहर टोकन एप से 24 घंटे मिलेगी टोकन की सुविधा

धान खरीदी के दौरान किसानों को सहूलियत देने के लिए इस वर्ष भी तुंहर टोकन मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन जारी किए जा रहे है। इससे किसानों को टोकन प्राप्त करने के लिए समितियों के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। किसान मोबाइल एप के जरिए 24 घंटे अपनी सुविधा के अनुसार टोकन प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा सोसायटी संचालकों के माध्यम से भी टोकन जारी करने की व्यवस्था रहेगी। जिला प्रशासन द्वारा खरीदी केंद्रों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के साथ पूरी प्रक्रिया पर लगातार निगरानी रखी जाएगी, ताकि किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी न हो और समर्थन मूल्य पर खरीदी व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके।

लोईंग में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने हेल्थ मेला शिविर का किया निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 12 नवम्बर। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और आम नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के साथ नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज जिला स्तरीय स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विकासखंड लोईंग के ग्राम छुहीपाली स्थित हेल्थ मेला शिविर एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर कुकरदा का निरीक्षण किया। शिविर में 48 लोगों की गैर-संचारी रोग (एनसीडी) स्क्रीनिंग की गई, वहीं 10 परिवार नियोजन हितग्राहियों को काउंसलिंग प्रदान की गई। इसके अलावा फाइलेरिया (हाथीपांव) से पीड़ित एक मरीज का फॉलोअप भी किया गया।

कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के दिशा-निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैंकरा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा लोईंग में संचालित विशेष नशा मुक्ति केंद्र के संबंध में भी आम नागरिकों को जानकारी दी गई। केंद्र का उद्देश्य युवाओं एवं स्थानीय लोगों को शराब, तंबाकू, सिगरेट और अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही नशे की लत से प्रभावित लोगों को इससे बाहर निकालने के लिए निःशुल्क परामर्श, उपचार एवं भर्ती की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।



24 घंटे निःशुल्क उपचार के साथ 10 बिस्तरीय अस्पताल की सुविधा

लोईंग स्थित नशा मुक्ति केंद्र में 10 बिस्तरों की व्यवस्था के साथ 24 घंटे निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध है। यहां मरीजों की देखभाल के लिए चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं काउंसलर की व्यवस्था की गई है। नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों के उपचार एवं पुनर्वास के लिए मेडिकल डिटॉक्सिफिकेशन, विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखभाल, नियमित काउंसलिंग तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य एवं मानसिक संतुलन के लिए योग, ध्यान और व्यायाम कराया जाता है। उन्हें संतुलित एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के साथ सुरक्षित, स्वच्छ और अनुकूल वातावरण भी दिया जाता है। मरीजों के साथ-साथ उनके परिजनों को भी गोपनीयता के साथ विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया जाता है, ताकि परिवार के सदस्य नशे की समस्या को समझकर मरीज के उपचार और पुनर्वास में सहयोग कर सकें। केंद्र से उपचार के बाद घर लौटने वाले मरीजों को दोबारा नशे की गिरफ्त में जाने से बचाने के लिए नियमित फॉलोअप एवं मार्गदर्शन की सुविधा भी दी जा रही है।

नशामुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी जरूरी

स्वास्थ्य विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि नशे को केवल व्यक्तिगत समस्या न समझें, क्योंकि इसका दुष्प्रभाव व्यक्ति के साथ उसके परिवार और पूरे समाज पर पड़ता है। विशेषकर युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखना और उन्हें स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की ओर प्रेरित करना सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी लोगों से आग्रह किया गया है कि वे नशामुक्ति जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों को लोईंग स्थित नशा मुक्ति केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग करें। यहां उपलब्ध निःशुल्क उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास सुविधाओं का लाभ उठाकर नशे की गिरफ्त में आए लोगों को स्वस्थ जीवन की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद करें। निरीक्षण के दौरान जिला नोडल अधिकारी एनसीडी डॉ. जावेद मरीकर, डीएलओ डॉ. अविनाश चन्द्रा, जिला मीडिया अधिकारी श्रीमती उमा महंत एवं डीपीएचएन एनसीडी सलाहकार सीमा बरेठ उपस्थित रहे।

अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते पटवारियों पर कार्रवाई

जगदलपुर, 12 नवम्बर । राज्य शासन के निर्देशानुसार बस्तर जिला प्रशासन द्वारा प्रान्तीय आह्वान पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे पटवारियों के खिलाफ बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। 13 अक्टूबर से हड़ताल पर गए जिले के 99 पटवारियों की हड़ताल अवधि को ब्रेक इन सर्विस (सेवा में व्यवधान) घोषित कर दिया गया है, जबकि 17 पटवारियों को निलंबित किया गया है। अपर कलेक्टर श्री डीआर डाहिरे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले की सभी 10 तहसीलों में कुल 180 पटवारी पदस्थ हैं, जिनमें 30 प्रशिक्षु शामिल हैं। इनमें से 136 पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं, जबकि 44 पटवारी वर्तमान में अपने कर्तव्यों पर कार्यरत हैं। हड़ताल पर गए सभी 136 पटवारियों को प्रशासन द्वारा पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

महतारी वंदन योजना से सीमा चौहान को मिला आर्थिक संबल,पूरी हो रहीं परिवार की जरूरतें

रायगढ़, 12 नवम्बर। महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता का आधार बन रही है। योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि से महिलाएं अपने परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतें पूरी कर पा रही हैं। रायगढ़ जिले के ग्राम ननसिया की रहने वाली सीमा चौहान के लिए भी यह योजना काफी मददगार साबित हो रही है।

सीमा चौहान ने बताया कि हर महीने मिलने वाली राशि से घर के जरूरी सामान और बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलती है। इस आर्थिक सहायता से काफी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि इस महीने दीपावली त्योहार से पहले खाते में मिली राशि से घर की पुताई कराई और बच्चों के लिए मिठाइयां व पूजा की सामग्री खरीदी। सीमा चौहान ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि योजना से मिलने वाली नियमित सहायता महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बना रही है। उनके लिए यह योजना केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि परिवार की जिम्मेदारियों में सहयोग करने और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का माध्यम बन गई है।

हर महीने मिलने वाली सहायता से महिलाओं का बढ़ रहा आत्मविश्वास

छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह राशि महिलाओं के लिए केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान और स्वावलंबन को मजबूत करने वाली पहल है। नियमित रूप से मिलने वाली राशि से महिलाएं अपनी आवश्यकताओं को स्वयं पूरा कर पा रही हैं। इससे उन्हें परिवार की जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा महिलाओं की आर्थिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दी जा रही सहायता से महिलाओं में खुशी है। छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी अपने पास राशि उपलब्ध होना महिलाओं को आत्मनिर्भरता का एहसास कराता है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से राज्य शासन महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

जनजातीय लोक नृत्य और लोक कलाओं की प्रस्तुति से जीवंत हुई समृद्ध सांस्कृतिक विरासत

रायगढ़, 12 नवम्बर। जनजातीय समाज की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली विरासत को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आज रायगढ़ के संत पूज्य श्री प्रियदर्शी राम ऑडिटोरियम, पंजरी प्लांट में जिला स्तरीय उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया गया। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस महोत्सव में जिले के सातों विकासखंडों से पहुंचे कलाकारों ने पारंपरिक लोक नृत्य एवं लोक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियों से जनजातीय संस्कृति की विविधता और समृद्धि को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी, भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, वीरांगना रानी दुर्गावती सहित अन्य महापुरुषों के छायाचित्रों पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रगीत एवं राज्यगीत का सामूहिक गायन किया गया।

संस्कृति और परंपराओं को सहेजना नई पीढ़ी की जिम्मेदारी- डॉ.भगत

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सर्व आदिवासी समाज के सचिव डॉ. बाल किशोर भगत ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव का आयोजन समाज के लिए अत्यंत गौरव और महत्व का विषय है। हमारी संस्कृति, संस्कार, नृत्य, बोली और भाषा अत्यंत समृद्ध हैं। इन परंपराओं को संरक्षित करना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में आगे बढ़ना और उच्च शिक्षा प्राप्त कर अच्छे पदों पर पहुंचना जरूरी है, लेकिन इसके साथ अपनी जड़ों, संस्कृति और परंपराओं को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की असली पहचान उसकी संस्कृति, संस्कार, लोकगीत और लोकनृत्य हैं। लोकनृत्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की समृद्धि, एकजुटता और सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है। छत्तीसगढ़ की 42 जनजातियों में अलग-अलग विशेषताएं और कलात्मक प्रतिभाएं हैं। आवश्यकता है कि सभी जनजातियां अपनी पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन करें, ताकि हमारी सांस्कृतिक विरासत और अधिक समृद्ध हो। उन्होंने कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में इस आयोजन को और अधिक भव्य स्वरूप देने का आह्वान किया।

नगर निगम रायगढ़ के सभापति श्री डिग्री लाल साहू ने जनजातीय समाज को जय जोहार करते हुए कहा कि जनजातीय समाज अपनी विशिष्ट लोक संस्कृति और परंपराओं के लिए जाना जाता है। किसी भी सांस्कृतिक आयोजन में जनजातीय कलाकारों की भागीदारी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाती है। उन्होंने समाज में संगठन और एकजुटता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि एकजुटता से ही समाज की विकास यात्रा आगे बढ़ती है। उन्होंने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज से अनेक व्यक्तित्व देश के महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचे हैं। आगामी 15 नवंबर को पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी जनजातीय गौरव दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा।उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव के अंतर्गत जिले के सभी सातों विकासखंडों के कर्मा नृत्य दलों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रत्येक दल को अपनी कला एवं सांस्कृतिक परंपरा के प्रदर्शन के लिए 15 मिनट का समय दिया गया। कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्ययंत्रों और लयबद्ध नृत्य के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिसमें विकासखण्ड लैलूंगा के कर्मा लोक नृत्य दल मोहनीपुरी चंवरपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं घरघोड़ा के लोक नृत्य कर्मा पार्टी आमापाली (बहिरकेला) ने द्वितीय, धरमजयगढ़ के भंडारीपारा कर्मा पार्टी सिथरा ने तृतीय एवं विकासखण्ड तमनार के जय मां कर्मा सेनी कर्मा नृत्य मंडली ग्राम मौहापाली ने चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल को 50 हजार रुपये, द्वितीय को 25 हजार रुपये, तृतीय को 15 हजार रुपये तथा चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले दल को 10 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 12 नवम्बर। महान जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के माध्यम से जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, लोकज्ञान और राष्ट्र निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए आज राज्य प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी धरमजयगढ़ के दशहरा मैदान पहुंचीं। उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आयोजन की व्यवस्थाओं और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जाने वाले प्रदर्शनी स्टॉलों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

राज्य स्तरीय आयोजन की तैयारियों के निरीक्षण के दौरान श्रीमती स्मृति ईरानी ने दशहरा मैदान में मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, आवागमन, सुरक्षा, पार्किंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने वाले अतिथियों एवं आम नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा तैयार किए जा रहे प्रदर्शनी स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्टॉलों में प्रदर्शित की जाने वाली योजनाओं, विभागीय उपलब्धियों और जनजातीय हितग्राहियों को मिल रहे लाभों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी इस तरह तैयार की जाए, जिससे आम नागरिकों और विशेषकर युवा पीढ़ी को जनजातीय समाज की उपलब्धियों, परंपराओं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की बेहतर जानकारी मिल सके। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती लता उसेंडी, प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव, कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी.चौधरी, लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, महापौर श्री जीवर्धन चौहान सहित जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।





जनजातीय विरासत, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के योगदान को मिलेगा मंच

राज्य प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में महत्वपूर्ण है। यह अवसर केवल जनजातीय वीरों के बलिदान को नमन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके संघर्ष, साहस और स्वाभिमान से प्रेरणा लेकर समावेशी विकास, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में जनजातीय समाज की भागीदारी को और मजबूत करने का अवसर भी है।उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस और गौरव सप्ताह का संदेश स्पष्ट है कि जनजातीय समाज का इतिहास केवल संघर्ष और बलिदान की गाथा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता, संस्कृति, स्वाभिमान और राष्ट्र निर्माण की अमूल्य विरासत है। इस विरासत का सम्मान और संरक्षण ही विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने युवा पीढ़ी को जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, परंपरागत ज्ञान और सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

विभिन्न विभागों की योजनाओं और उपलब्धियों की लगेगी विशेष प्रदर्शनी

15 नवंबर को आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विभागीय उपलब्धियों और जनजातीय हितग्राहियों के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कृषि, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी जाएगी।प्रदर्शनी में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, कृषि एवं संबद्ध विभाग, वन विभाग, ऊर्जा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा उद्योग एवं रोजगार विभाग सहित विभिन्न विभाग अपनी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगे। इसके माध्यम से आम नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी मिलेगी, वहीं जनजातीय समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

समन्वय के साथ समय-सीमा में पूरी करें सभी तैयारियां:ओपी चौधरी

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी नेकहा कि धरमजयगढ़ में आयोजित होने वाला यह राज्य स्तरीय समारोह जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा, सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने के साथ ही उनके सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों को सामने लाने का महत्वपूर्ण अवसर बनेगा। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित यह आयोजन जनजातीय गौरव, स्वाभिमान और विकास के संदेश को प्रदेशभर में प्रसारित करेगा। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ आयोजन की सभी तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से प

एक नजर

मेंढ़ा में 16 नवंबर को मड़ई



मेंढ़ा (डोंगरगढ़), 12 नवंबर। डोंगरगढ़ अंचल की पहली मंडई के नाम से व दिवाली के बाद आने वाले सोमवार को मेला- मंडई की परम्परा को कायम रखते हुए इस वर्ष 16 नवंबर को मेंढ़ा में मंडई मेला का आयोजन रखा गया है तथा इस वर्ष 16 व 17 को दो दिनों को रात्रि में कार्यक्रम रखा गया है 16 नवंबर को लोगों के मनोरंजन के लिए रात्रि में सुप्रसिद्ध छत्तीसगढ़ गायक अनुराग शर्मा रायपुर वालों का रंगारंग स्टार नाइट्स सांस्कृतिक कार्यक्रम अपनी टीम के साथ प्रस्तुति देगी । इसी मंच पर 17 नवंबर को खुर्सीपार वाले का सुप्रसिद्ध जस झांकी का कार्यक्रम रखा गया है ग्राम के सरपंच अमिला देवांगन, उपसरपंच प्रतिनिधि राजेंद्रा देवांगन,पटेल रामकृपाल चंद्रवंशी व पंचों ने अपील की है अधिक से अधिक संख्या में आकर मेला का लुफ्त उठाएं।

105 लीटर महुआ शराब सहित युवक गिरफ्तार



रायगढ़, 12 नवंबर । एसएसपी श्री शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतरारोड़ पुलिस ने लगातार दूसरे दिन बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम कलमी में अवैध महुआ शराब की खेप पकड़ी है। थाना प्रभारी निरीक्षक शील कुमार आदित्य के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी के घर के पीछे बाड़ी में छिपाकर बिक्री के लिए रखी गई 105 लीटर महुआ शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

छत्तीसगढ़ में मौसम ने लिया यू-टर्न, ठंडी हवा ने बदली दिशा, अब तापमान में दिखेगा उतार-चढ़ाव

रायपुर, 12 नवंबर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलने लगा है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य में आने वाली हवाओं की दिशा में बदलाव हुआ है, जिसके चलते न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर फिलहाल थम गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।पिछले 24 घंटे के दौरान अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। दिवाली से पहले से ही प्रदेश में रात के तापमान में लगातार गिरावट का दौर शुरू हो गया था। इसके चलते रात और सुबह के समय ठंड का एहसास बढ़ने लगा था, लेकिन अब तापमान में गिरावट की रफ्तार धीमी पड़ने लगी है।मौसम में ठंड बढ़ने की प्रमुख वजह उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी हवाएं रही हैं। इन हवाओं के प्रभाव से प्रदेश के न्यूनतम तापमान में लगातार कमी दर्ज की जा रही थी। अब पश्चिमी विक्षोभ के असर से हवा की दिशा में बदलाव होने की संभावना है। इसका सीधा असर रात के तापमान पर पड़ेगा और न्यूनतम पारा थोड़ा ऊपर जा सकता है।।

त्यौहारों के दौरान शहर में 17 तक 6 से 12 बजे तक नो एंट्री

कोरबा, 12 नवम्बर । आगामी त्योहारों के दौरान शहर में बढ़ने वाली भीड़ और देर रात तक नागरिकों के आवागमन को देखते हुए जिला प्रशासन ने कोरबा शहर में भारी वाहनों की नो-एंट्री का समय निर्धारित किया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के अनुमोदन से जारी आदेश के अनुसार 11 नवंबर से 17 नवंबर 2026 तक सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक नो-एंट्री प्रभावी रहेगी।पुलिस अधीक्षक कोरबा की ओर से भेजे गए पत्र के आधार पर यह व्यवस्था लागू की गई है। आदेश में आगामी त्योहारों के दौरान शहर में आयोजनों के चलते जनसमूह एकत्रित होने तथा देर रात तक लोगों के आवागमन की संभावना का उल्लेख किया गया है।प्रशासन ने छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह व्यवस्था निर्धारित की है। आदेश तत्काल प्रभावशील रहेगा और 17 नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक निर्धारित नो-एंट्री लागू रहेगी।

पटवारी हड़ताल पर प्रशासन की कार्रवाई, दो निलंबित, 50 के विरुद्ध सेवा-विच्छेद के आदेश

कोरिया, 12 नवंबर । कोरिया जिले में 10 अक्टूबर से जारी पटवारियों की हड़ताल के संबंध में जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। हड़ताल में शामिल 50 पटवारियों में से दो को निलंबित किया गया है। सभी 50 हड़ताली पटवारियों के विरुद्ध 'ब्रेक इन सर्विस' अर्थात सेवा-वि'छेद के आदेश जारी किए गए हैं तथा अक्टूबर माह का वेतन आहरित नहीं किया गया है।कलेक्टर कार्यालय द्वारा 11 नवंबर को सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन को भेजे गए पत्र के अनुसार, दोनों निलंबित पटवारियों के विरुद्ध विभागीय जांच संस्थित करने के लिए नोटिस भी जारी किए गए हैं। सभी 50 हड़ताली पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने की जानकारी दी गई है।जिले में कुल 59 पदस्थ पटवारियों में से 50 हड़ताल में शामिल हैं। बैकुंठपुर तहसील में 19 में से 17, पटना में 17 में से 15, पोड़ी-बचरा में 11 में से नौ तथा सोनहत में 12 में से नौ पटवारी हड़ताल पर हैं। निलंबित किए गए ।

मातर तिहार हमारी संस्कृति, परंपरा और गौसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक :गजेन्द्र यादव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



रायपुर, 12 नवम्बर। मातर तिहार के अवसर पर आज प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने विधि-विधान के साथ गौमाता का पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर समाजजनों की उपस्थिति में उन्होंने पारंपरिक दोहा गाकर गौमाता को सोहाई बांधी और विधिवत पूजा-अर्चना की।

मातर तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, आस्था और परंपराओं से जुड़ा विशिष्ट पर्व मंत्री ने कहा कि मातर तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, आस्था और परंपराओं से जुड़ा विशिष्ट पर्व है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों, सामाजिक एकजुटता और गौवंश के प्रति सम्मान एवं सेवा का भाव सिखाता है। यादव समाज की परंपरा में गौसेवा और गौपालन का विशेष महत्व रहा है। गौमाता हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि संस्कृति और जनजीवन का अभिन्न अंग हैं। उनकी सेवा और संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है।मंत्री श्री यादव ने कहा कि यादव समाज में मातर तिहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान, पूर्वजों की परंपराओं और गौवंश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। इस पर्व पर पारंपरिक दोहे गाकर सोहाई बांधने और सामूहिक रूप से गौपूजन करने की परंपरा हमारी लोकसंस्कृति की जीवंतता को दर्शाती है।मंत्री श्री यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, लोकपरंपराओं और गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी इन परंपराओं से जोड़ना चाहिए, ताकि हमारी संस्कृति और सामाजिक मूल्य निरंतर आगे बढ़ते रहें।

छत्तीसगढ़ के उत्पादों को वैश्विक बाजारों में मिलेगी नई पहचान, निर्यात की संभावनाओं को विस्तार देने राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित

रायपुर, 12 नवंबर। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत सरकार, विदेश व्यापार महानिदेशालय तथा आई.टी.पी.ओ के संयुक्त तत्वावधान में आज राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन रायपुर के एक निजी होटल में किया गया जिसमें ''मुक्त व्यापार समझौतों के प्रभावी उपयोग'' विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। इस राज्य स्तरीय कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के वाणिज्य एवं उद्योग, श्रम तथा वाणिज्यिक कर मंत्री श्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के वर्तमान एवं संभावित निर्यातकों को भारत के विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों के तहत् उपलब्ध व्यापारिक अवसरों से अवगत कराना एवं उन्हें अंतर्राष्ट्रीय बजारों में अपनी निर्यात संभावनाओं पर विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करना है। रायपुर के वीआईपी रोड पर स्थित होटल में आयोजित कार्यशाला में एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) आउटरीच कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्रों में निर्यात की संभावनाओं, अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच, मुक्त व्यापार समझौतों के लाभ तथा निर्यात संवर्धन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री श्री देवांगन ने प्रदेश भर से पहुंचे उद्योग संचालकों तथा प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास की असीम संभावनाएं हैं तथा यहां के वनोपजों से निर्मित उत्पाद देश ही नहीं, दुनिया की पहली पसंद है।

छत्तीसगढ़ में निर्वाचन संबंधी विभिन्न अधिनियमों में संशोधन के प्रस्ताव पर उच्चस्तरीय बैठक संपन्न

रायपुर, 12 नवंबर । मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन (अपराध), अधिनियम के प्रस्तावित संशोधनों के संबंध में एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ में निर्वाचन अपराधों से संबंधित विभिन्न कानूनों और उनके प्रावधानों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान निम्नलिखित प्रमुख अधिनियमों और उनके अंतर्गत आने वाले प्रावधानों की समीक्षा की गई, जिनमें छत्तीसगढ़ स्थानीय प्राधिकारी (अपराध) अधिनियम, छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, छत्तीसगढ़ संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (BNS), छत्तीसगढ़ नगरपालिक निगम अधिनियम, छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम तथा छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम शामिल हैं।बैठक के अंत में मुख्य सचिव श्री विकासशील ने प्रशासनिक कार्यों को और अधिक सुचारू बनाने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी 10 वर्षों में विभिन्न विभागों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पदों के सृजन, प्रशासनिक संरचना और पुनर्गठन की रूपरेखा तैयार की जाए। इसके साथ ही, मंत्रालय में कार्यरत कर्मचारियों की सुविधा को देखते हुए उन्हें बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में भी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।इस उच्चस्तरीय बैठक में गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक, विधि एवं विधायी कार्य विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनीष कुमार ठाकुर, लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार, वित्त विभाग एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रायपुर नगर निगम में लोगों का जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र निर्धारित समय अवधि में बनाने का कार्य निरन्तर जारी

रायपुर, 12 नवंबर। रायपुर नगर निगम में जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र के लिये सर्वर डाउन से संबंधित कोई समस्या नहीं है। लोगों का जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र निधारित समय अवधि में बनाने का कार्य निरंतर जारी है। इसमे किसी प्रकार कोई समस्या नहीं है। वर्ष 2001 से 2016 तक की अवधि के ई-डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्रेशन पोर्टल में बने जन्म प्रमाण पत्र को भारत सरकार के सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम पोर्टल में बनाने पर तकनीकी त्रुटि के कारण प्रमाण पत्र में बच्चे के जन्म स्थान पर उनका स्थायी पता स्वतः ही दर्शित होने लगता है। इस समस्या के निराकरण के लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी चिप्स को पत्र प्रेषित किया गया है। चिप्स द्वारा तकनीकी त्रुटि का निराकरण करने पर वर्ष 2001 से 2016 तक की अवधि तक के ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर बने जन्म प्रमाण पत्र का सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम पोर्टल पर बनाये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को प्रति एकड़ मिलेंगे 13,839 रुपए, बैंक खाते में होगा भुगतान

कांकेर, 12 नवंबर । छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत धान उत्पादक किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के किसानों की आय में वृद्धि करना, कृषि लागत कम करना तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार लाना है।

योजना का लाभ उन किसानों को मिलेगा, जिन्होंने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान विक्रय के लिए पंजीयन कराया है, एग्रीस्टैक में पंजीकृत हैं तथा उनके द्वारा बोए गए धान के रकबे का डिजिटल क्रॉप सर्वे किया जा चुका है। धान बीज उत्पादन में भाग लेने वाले किसान भी योजना के लिए पात्र होंगे। हालांकि, पंजीकृत ट्रस्ट, मंडल, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी एवं शाला विकास समिति जैसी संस्थाओं को योजना का लाभ नहीं मिलेगा। अनुदान राशि का भुगतान कृषि भूमि सीलिंग कानून के प्रावधानों के अधीन किया जाएगा। योजना के तहत किसानों को उनके द्वारा बोए गए धान के डिजिटल क्रॉप सर्वे में सत्यापित रकबे के आधार पर सहायता राशि दी जाएगी। उदाहरण के तौर पर यदि किसी किसान ने 2.5 एकड़ में धान की खेती की है और पूरे रकबे का डिजिटल क्रॉप सर्वे हो चुका है, तो उसे प्रति एकड़ 13,839 रुपये की दर से कुल 34,597.50 रुपये की सहायता राशि मिलेगी। किसान द्वारा धान की निर्धारित मात्रा का पूरा विक्रय करना अनिवार्य नहीं है। कम मात्रा में धान विक्रय करने पर भी सत्यापित रकबे के अनुसार सहायता राशि की पात्रता रहेगी।

कृषक उन्नति योजना का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य है। धान विक्रय के लिए टोकन जारी कराते समय कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत आदान सहायता राशि प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना भी आवश्यक है। जिन क्षेत्रों में डिजिटल क्रॉप सर्वे का डाटा उपलब्ध नहीं है, वहां कलेक्टर की अनुमति से गिरदावरी के आधार पर सत्यापित रकबे के अनुसार सहायता राशि प्रदान की जा सकेगी। योजना की राशि किसानों के आधार लिंक बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से जमा की जाएगी।

किसान समय पर पूरी करें आवश्यक प्रक्रिया

कृषक उन्नति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसान एग्रीस्टैक में अपना पंजीयन सुनिश्चित करें तथा धान विक्रय के समय निर्धारित प्रारूप में आवेदन अवश्य करें। किसान भाई ध्यान रखें कि धान की पूरी निर्धारित मात्रा बेचना जरूरी नहीं है। डिजिटल क्रॉप सर्वे में सत्यापित धान के रकबे के आधार पर प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता राशि प्राप्त हो सकती है। इसलिए समय पर पंजीयन एवं आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर योजना का लाभ उठाएं।

धान खरीदी में नियमों का कड़ाई से होगा पालन अवैध परिवहन पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

कांकेर, 11 नवंबर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने आज जिले के राइस मिलर्स एवं मंडी व्यापारियों की बैठक लेकर शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सभी मिलर्स एवं व्यापारियों को नियमानुसार धान का क्रय-विक्रय एवं परिवहन करने के निर्देश देते हुए कहा कि नियमों के तहत व्यापार करने वालों को जिला प्रशासन की ओर से पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक किया जाएगा। खरीदी अवधि के दौरान धान का परिवहन नहीं किया जाएगा। खरीदी अवधि समाप्त होने के बाद ही उपार्जन केंद्रों से धान का परिवहन किया जाएगा।

खरीदी पूरी होने तक कोरबा के उपार्जन केंद्रों में खुले आसमान के नीचे रहेगा धान

कोरबा, 12 नवम्बर । जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत 15 नवंबर से होने जा रही है। इस बार धान की रिसाइक्लिंग रोकने के लिए शासन ने खरीदी व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब उपार्जन पूरा होने के बाद ही केंद्रों से धान का उठाव किया जाएगा। इस फैसले से जहां खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता आने की उम्मीद है, वहीं जिले के 7उपार्जन केंद्रों में करीब 1 लाख क्विंटल धान जमा होने की स्थिति में व्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

पर्याप्त शेड और गोदाम नहीं होने से केंद्रों में धान रखने की समस्या खड़ी हो सकती है। ऐसे में टोकन कटने के बाद भी किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए कतार में इंतजार करना पड़ सकता है। असमय बारिश से धान के भीगने और खराब होने का खतरा भी बना रहेगा। धान खरीदी की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मानसून के उतार-चढ़ाव के बावजूद इस बार बेहतर उत्पादन का अनुमान लगाया जा रहा है। जिले में करीब 91 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बोआई हुई है। फसल पकने के साथ दीपावली के बाद कटाई में तेजी आई है। हालांकि, किसानों को उपज बेचने से पहले धान के पूरी तरह सूखने का इंतजार करना पड़ रहा है।

जिला राजस्व विभाग की ओर से अब तक आनावरी रिपोर्ट तैयार नहीं की जा सकी है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी 15 नवंबर से खरीदी शुरू होगी, लेकिन खरीदी की अंतिम तिथि 1 जनवरी के बजाय 15 जनवरी निर्धारित की गई है। जिले में 65 समितियों के माध्यम से 7 उपार्जन केंद्रों का संचालन किया जाएगा। इस वर्ष आठ नए केंद्र शुरू किए गए हैं। इससे दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को धान बेचने के लिए लंबी दूरी तय करने से राहत मिलेगी।हालांकि, केंद्रों की संख्या बढ़ने के बावजूद जरूरी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार नहीं हो पाया है। दादर, पिपरिया, नुनेरा, बकसाही, सुमेधा और कुदुरमाल सहित कई केंद्रों में शेड और गोदाम की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। कुछ स्थानों पर किसानों के बैठने तक की सुविधा उपलब्ध नहीं है।उपार्जन के लिए मैदान तो चिह्नित कर दिए गए हैं, लेकिन विद्युत आपूर्ति और कंप्यूटर संचालन के लिए कक्ष जैसी सुविधाओं का भी अभाव है। ऐसे में किसानों को मौसम देखकर धान लेकर केंद्र पहुंचना होगा। गोदाम नहीं होने से केंद्र प्रभारियों को खुले में रखे धान की रातभर निगरानी करनी पड़ेगी।धान खरीदी के दौरान सबसे 'यादा परेशानी हाथी प्रभावित क्षेत्रों के किसानों और केंद्र प्रभारियों को उठानी पड़ सकती है। केंदई, पसान, ऐतमानगर और कुदमुरा वन परिक्षेत्र से लगे मदवानी, चिर्रा और केरवाद्वारी जैसे गांवों में उपार्जन केंद्र तो खोल दिए गए हैं, लेकिन वहां गोदाम की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। खुले में रखे धान को हाथियों से बचाना प्रबंधन के लिए बड़ी चुनौती है।

कोरबा और कटघोरा वन मंडल में हाथियों की लगातार मौजूदगी के कारण ग्रामीणों को भी अपनी उपज लेकर केंद्र पहुंचने में परेशानी होती है। हाथियों के विचरण के चलते कई बार किसान समय पर धान बेचने नहीं पहुंच पाते।

कुसमुण्डा आदर्श नगर के कचरा सेंटर में लगी भीषण आग दमकल टीम ने बुझाई

कोरबा, 12 नवम्बर । छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कुसमुंडा क्षेत्र के आदर्श नगर स्थित एसएलआरएम (ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन) सेंटर में मंगलवार रात अचानक भीषण आग लग गई। आग की ऊंची लपटें और घना धुआं देखकर आसपास रहने वाले एसईसीएल कर्मचारियों और उनके परिवारों में दहशत फैल गई। सेंटर के ठीक पास आवासीय कॉलोनी होने के कारण आग के मकानों तक पहुंचने का खतरा भी पैदा हो गया था। हालांकि, सूचना मिलते ही एसईसीएल की दमकल टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

जानकारी के अनुसार, एसएलआरएम सेंटर का निर्माण कचरा संग्रहण और पुनर्चक्रण के उद्देश्य से किया गया था, लेकिन यह लंबे समय से बंद पड़ा है। रखरखाव के अभाव में सेंटर के अंदर और बाहर बड़ी मात्रा में सूखा कचरा, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट जमा हो गया था। मंगलवार रात इसी कचरे में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय निवासियों ने पूर्व पार्षद शाहिद कुजूर को सूचना दी। उन्होंने तत्काल एसईसीएल के अधिकारियों और दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी। इसके बाद दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। काफी प्रयासों के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

पूर्व पार्षद शाहिद कुजूर ने आशंका जताई कि सेंटर के पास से गुजर रही बिजली लाइन से चिंगारी निकलने या किसी अन्य कारण से आग लगी होगी। हालांकि, आग लगने की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है।स्थानीय लोगों के मुताबिक, एसएलआरएम सेंटर के ठीक बगल में एसईसीएल कर्मचारियों की आवासीय कॉलोनी है। ऐसे में आग फैलने पर बड़ा हादसा हो सकता था। दमकल टीम की समय पर कार्रवाई से आग को आवासीय मकानों तक पहुंचने से पहले ही नियंत्रित कर लिया गया।घटना के बाद लंबे समय से बंद पड़े सेंटर में कचरे के ढेर और रखरखाव की कमी को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे स्थानों की नियमित सफाई और निगरानी जरूरी है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से आवासीय क्षेत्रों को खतरा न हो।

पीएम जनमन से पीव्हीटीजी परिवारों को मिल रही है आधारभूत सुविधाएं

महासमुंद 12 नवम्बर । कभी जंगलों और दुर्गम रास्तों के बीच बसे छोटे-छोटे डेरों में अभावों के बीच जीवन बिताने वाला कमार जनजाति का समुदाय आज विकास की मुख्यधारा से जुड़कर नई राह पर आगे बढ़ रहा है। जिन बस्तियों तक पहुंचना कभी मुश्किल था, वहां अब पक्की सड़कें पहुंच रही हैं। जिन घरों में अंधेरा और असुरक्षा थी, वहां बिजली की रोशनी और पक्के मकानों ने जगह ले ली है। स्व'छ पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा और शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने से इन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव दिखाई देने लगा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समुदायों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू किया गया प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान पीएम-जनमन महासमुंद जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के लिए उम्मीद, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बन रहा है। वहीं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में शासन द्वारा इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि कमार समुदाय के प्रत्येक परिवार तक बुनियादी सुविधाएं और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंच सके। केंद्र और रा'य शासन के समन्वित प्रयासों से कमार बस्तियों में विकास और वर्षों से सुविधाओं से वंचित परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। आदिम जाति अनुसंधान केंद्र के आधारभूत सर्वेक्षण 2015-16 के आधार पर महासमुंद जिले में इनका सर्वे कार्य किया गया था जिसके आधार पर वर्तमान में कुल 2× कमार परिवार में कुल जनसंख्या ××0 है, जिनमे पुरुष जनसंख्या 1614 एवं महिला जनसंख्या 1695 है। सर्वे के अनुसार महासमुंद विकासखंड में 41 ग्राम, बागबाहरा विकासखंड में ×× ग्राम एवं पिथौरा विकासखंड में 2 ग्राम कुल 76 ग्राम में कमार परिवार निवासरत है।

समाचार संक्षेप

मारपीट की अलग-अलग घटनाओं में पति समेत तीन लोग घायल, पुलिस ने दर्ज किया मामला

कोरबा, 12 नवम्बर । जिले में मारपीट की अलग-अलग घटनाओं में पति समेत तीन लोग घायल हो गए। एक मामले में प्रसाद लेने से इनकार करने पर हुए विवाद में पत्नी ने कैंची से पति पर हमला कर दिया। दूसरे मामले में शराब के नशे में एक युवक ने चाकू से पेट पर वार कर दिया।

बीच-बचाव करने पहुंचा युवक भी हमले में घायल हो गया। वहीं, लड़कियों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाकर तीन युवकों ने एक नाबालिग के साथ चूड़ा और कैंची से मारपीट की। पुलिस ने तीनों मामलों में शिकायत के आधार पर अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पंपहाउस मेगजीन भांठा निवासी जितेंद्र सुर्गे रिस्दी स्थित बोरवेल्स दुकान में मजदूरी करता है। आठ नवंबर को दीपावली की रात करीब 10 बजे वह बाहर से प्रसाद लेकर घर पहुंचा। इस दौरान उसकी पत्नी 'योति सुर्गे ने प्रसाद लेने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।आरोप है कि पत्नी ने गाली-गलौज करते हुए हाथ-मुक्के से मारपीट की और घर में रखी दाढ़ी-मूंछ काटने वाली कैंची से उसके सीने और पीठ पर वार कर दिया। हमले में घायल जितेंद्र की रिपोर्ट पर पुलिस ने पत्नी 'योति के विरुद्ध धारा 115(2) और 296 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है। ग्राम आंछीमार निवासी कुंदन भट्ठ ड्राइविंग का काम करता है। नौ नवंबर को वह रिस्दी पेट्रोल पंप के पीछे काम कर रहा था। इसी दौरान जोगी राम मिरी ने फोन कर उसे अपने घर बुलाया। कुंदन के घर पहुंचने के बाद रात करीब 10.×0 बजे उसने जोगी राम से बातचीत करने को कहा। इस पर जोगी राम उसके घर के पास पहुंचा और शराब के नशे में गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा।आरोप है कि उसने सब्जी काटने वाले चाकू से कुंदन के पेट पर वार कर दिया। यह देखकर आशीष भट्ठ बीच-बचाव करने पहुंचा तो आरोपी ने उसके हाथ की अंगुली पर भी चाकू से हमला कर दिया। कुंदन की रिपोर्ट पर पुलिस ने जोगी राम मिरी के विरुद्ध धारा 115(2), 296 और ×51(×) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

घर के अंदर फंदे पर लटका मिला 50 वर्षीय महिला का शव, बेटे की मौत के बाद रहती थी अकेली

कोरबा, 12 नवम्बर । छत्तीसगढ़ के कोरबा शहर की पुरानी बस्ती स्थित रानी रोड क्षेत्र में 50 वर्षीय महिला का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिला। मृतका की पहचान गीता तंवर उर्फगीता बाई कंवर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मर्ग कायम किया है।जानकारी के अनुसार, गीता तंवर पुरानी बस्ती के रानी रोड क्षेत्र में रहती थीं। बताया जा रहा है कि उन्होंने घर के सामने वाले कमरे में साड़ी का फंदा लगाया था। काफी देर तक घर में कोई हलचल नहीं होने पर पड़ोसियों ने अंदर जाकर देखा तो महिला का शव फंदे पर लटका मिला। इसके बाद तत्काल कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई।परिजनों और पड़ोसियों के मुताबिक, करीब दो साल पहले महिला के बेटे की मौत हो गई थी। इसके बाद से वह अकेली रह रही थीं और बेटे को याद कर अक्सर दुखी रहती थीं। दीपावली के दौरान भी उन्होंने बेटे के बिना घर सूना लगने की बात कही थी। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं है।कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि रानी रोड क्षेत्र में गीता बाई कंवर की मौत की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। प्रारंभिक जानकारी में बेटे की दो साल पहले मौत होने और महिला के अकेले रहने की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है, ताकि महिला की मौत की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

छठ पर्व की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

सूरजपुर, 12 नवंबर । सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के मद्देनजर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ रेण नदी स्थित छठ घाट पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समिति के सदस्यों से चर्चा कर पर्व के आयोजन एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने घाटों एवं पूजा स्थलों पर सुरक्षा के लिए नगर सैनिकों एवं पुलिस बल की तैनाती, मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग, सुचारू यातायात के लिए आवागमन मार्ग निर्धारित करने तथा पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिए।उन्होंने घाटों पर विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई एवं स्व'छता पर विशेष ध्यान देने के साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य टीम की तैनाती और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रखने को कहा। साथ ही जलाशय में सुरक्षा की दृष्टि से गोताखोरों की तैनाती तथा श्रद्धालुओं की निगरानी के लिए आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं के आवागमन को सहज, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए।

18 मौतों

संक्षिप्त समाचार

साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. मृणालिका ओझा सम्मानित

रायपुर,12 नवंबर। श्री गुजराती ब्रह्म समाज, रायपुर के द्वारा साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु डॉ.मृणालिका ओझा को



स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र एवं शॉल - श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। श्री नीरज पुरोहित ने बताया कि डॉ. ओझा के छत्तीसगढ़ी लोककथाओं पर किये गये सर्वप्रथम शोधकार्य ने अनेक विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में काम करने हेतु प्रेरित किया। समाज के दिपावली मिलन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रामानुज भाई पुरोहित थे और विशिष्ट अतिथि समाज के संरक्षक राकेश भाई व्यास थे। कार्यक्रम में कीर्ति भाई व्यास - अध्यक्ष, अशोक त्रिवेदी - सचिव, हितेश भाई व्यास - उपाध्यक्ष, श्रीमती प्रेरणा बेन भट्ट - अध्यक्ष - महिला मंडल सहित समाज के अन्य अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में विशिष्ट व्यक्तियों सहित प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह, मैडल आदि से सम्मानित किया गया।

15 नवंबर को सभी स्कूलों में मनेगी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

रायपुर,12 नवंबर। छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में संचालक लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश के सभी संभागीय संयुक्त संचालकों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती प्रतिवर्ष 15 नवंबर को मनाई जाती है। इस वर्ष 15 नवंबर 2026 को रविवार होने के कारण प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय, अनुदान प्राप्त विद्यालयों में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 14 नवंबर अथवा 16 नवंबर 2026 को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष से प्रेरणा लेंगे विद्यार्थी

रायपुर,12 नवंबर। संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी विद्यालयों में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और योगदान पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, संघर्ष और आदर्शों से परिचित कराया जाएगा।विद्यालयों में 14 अथवा 16 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा के कार्यों पर आधारित लेखन एवं वाचन और वाद-विवाद की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी विद्यालयों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संस्थागत प्रमुखों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित होने वाली इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश के महान जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और योगदान से परिचित कराना तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

स्वच्छता पर सरकार वार्डवार रिपोर्ट सार्वजनिक करे : विकास उपाध्याय

रायपुर,12 नवंबर। रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने रायपुर को प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किए जाने के आधार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अखबारों में प्रकाशित खबरों के अनुसार बिल्हा को राष्ट्रीय स्तर पर पहला और बिलासपुर को दूसरा स्थान मिला है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए दोनों शहरों के नागरिकों और सफाई कर्मचारियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने मांग की कि सरकार तीनों शहरों की रैंकिंग की श्रेणियाँ और आकलन के मानक सार्वजनिक करे।उपाध्याय ने कहा, "रायपुर छत्तीसगढ़ की राजधानी है। प्रदेशभर से लोग यहाँ आते हैं। राजधानी की सफाई व्यवस्था पूरे प्रदेश के लिए उदाहरण होनी चाहिए। आज भी कई वार्डों में लोग कचरे के ढेर, जाम नालियों और अनियमित सफाई से परेशान हैं। नगर निगम बताए कि सर्वेक्षण दल किन वार्डों, बस्तियों और अंदरूनी गलियों तक पहुँचा। कितने नागरिकों की राय ली गई और उनकी शिकायतों को आकलन में कितना महत्व दिया गया?"उन्होंने राज्य सरकार और नगर निगम से मांग की कि स्वच्छता सर्वेक्षण की पूरी रिपोर्ट, रायपुर की राष्ट्रीय रैंकिंग, वार्डवार आकलन, निरीक्षण रिपोर्ट और नागरिक संतुष्टि के आँकड़े सार्वजनिक किए जाएँ। उन्होंने कहा कि निगम वार्डवार यह भी बताए कि सफाई से जुड़ी कितनी शिकायतें मिलीं, कितनी का समाधान हुआ और लंबित शिकायतों पर कार्रवाई कब तक होगी।उपाध्याय ने कहा, "प्रदेश में पहला स्थान मिलने की घोषणा के साथ नगर निगम हर वार्ड को सफाई का समयबद्ध कार्यक्रम भी दे। जिस गली में आज कचरा पड़ा है, वहाँ के लोगों का सीधा सवाल है — हमारी गली की सफाई कब होगी?"



पटवारियों की हड़ताल पर एक्शन

रायपुर,12 नवंबर। छत्तीसगढ़ में पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच बस्तर जिला प्रशासन ने सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। 13 अक्टूबर से हड़ताल पर गए जिले के 99 पटवारियों की हड़ताल अवधि को 'ब्रेक इन सर्विस' यानी सेवा में व्यवधान घोषित कर दिया गया है। वहीं, 17 पटवारियों को निलंबित किया गया है।

जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, बस्तर जिले की 10 तहसीलों में कुल 180 पटवारी पदस्थ हैं। इनमें 30 प्रशिक्षु पटवारी शामिल हैं। कुल 136 पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं, जबकि 44 पटवारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। प्रशासन ने हड़ताल पर गए सभी 136 पटवारियों को पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसके बावजूद काम पर नहीं लौटने पर यह कार्रवाई की गई।

कचरे की राजधानी





अब इस पर क्या कहें

त्योहारों में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए रेलवे ने किए व्यापक इंतजाम

प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती, 24 घंटे निगरानी और शिकायतों का होगा त्वरित निराकरण

तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर, 12 नवंबर। दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। प्रमुख रेलवे स्टेशनों और यात्री ट्रेनों में भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा, टिकटिंग और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। इसके तहत अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती के साथ 24 घंटे निगरानी और शिकायतों के त्वरित निराकरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, प्रमुख स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और वाणिज्य विभाग की संयुक्त टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। फ्रंटलाइन कर्मचारियों को 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात किया गया है। यात्रियों को ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान की जानकारी देने के लिए सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली और डिजिटल डिस्प्ले का उपयोग किया जा रहा है। आरपीएफ एवं सिविल डिफेंस की टीमें लाउड हेलर और सीटी के माध्यम से यात्रियों को जागरूक कर रही हैं।

डिजिटल वार रूम से होगी निगरानी

रेलवे मुख्यालय में डिजिटल वार रूम स्थापित किया गया है। यहां से ट्रेनों के परिचालन और स्टेशनों पर भीड़ की स्थिति की वास्तविक समय में निगरानी की जा रही है। यात्रियों की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई कर समस्याओं का निराकरण किया जाएगा।

टिकटिंग और यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान

प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त रोशनी और साफ-सफाई की व्यवस्था की गई है। आपात स्थिति में चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा दल भी तैनात किए गए हैं। टिकट सुविधा के लिए अतिरिक्त काउंटर, हेल्प डेस्क और स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। क्यूआर कोड, एम-यूटीएस और रेलवन एप के माध्यम से भी अनारक्षित टिकट प्राप्त करने की सुविधा दी जा रही है।



पूजा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

त्योहारों में अतिरिक्त यात्री भीड़ को देखते हुए दुर्ग-बरौनी-दुर्ग, दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग, गोंदिया-पटना-गोंदिया और चर्लपल्ली-बरौनी-चर्लपल्ली के बीच पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। रेलवे प्रशासन ने कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा त्योहारों के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जाएगी।

एसएसआर की प्रक्रिया में सभी को सकारात्मक रूप से देना चाहिए साथ : गृहमंत्री

तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,12 नवंबर। छत्तीसगढ़ में एसआईआर के बाद एसएसआर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एसएसआर में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की तीनों प्रक्रियाएं होती हैं। इसके साथ ही विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया में भी सभी को सकारात्मक रूप से साथ देना चाहिए। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मीडिया से चर्चा में एसएसआर का विरोध करने वालों से कहा कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर पूरी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। हर एक मतदान केंद्र की जानकारी, बैठकों की तस्वीरें और हटाए गए नामों की सूची वहां मिलती है। भूपेश बघेल कहते हैं कि जिनके नाम हटाए गए हैं, उनकी जानकारी सार्वजनिक है। लेकिन इसके बाद भी विपक्ष विरोध करता है। उन्होंने कहा कि वोट चोरी, वोट चोरी का नाम देते हैं। लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अब सीधे 2025 में एसआईआर हुआ है। फिर किस तर्क पर कहते हैं कि वोट चोरी हुई है?



केवल जनता के बीच हल्ला कर रहे हैं और सड़कों पर संख्या दिखा रहे हैं। बता दें कि छत्तीसगढ़ समेत देश के 17 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अब विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में सभी संबंधित राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र भेजकर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक, मतदाता सूची में नाम, पते या अन्य विवरणों से संबंधित दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तारीख 11 दिसंबर निर्धारित की गई है। इसके बाद 28 दिसंबर तक प्राप्त दावों और आपत्तियों का निपटारा किया जाएगा। सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। चुनाव आयोग के मुताबिक, इस एसएसआर का मकसद पात्र मतदाताओं, खासकर युवाओं और पहली बार वोट डालने वालों को मतदाता सूची में शामिल करना तथा उसमें नाम और अन्य विवरणों में सुधार करना है। उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 को खत्म हो रहा है। वहीं 60 सदस्यीय मणिपुर, 40 सदस्यीय गोवा, 117 सदस्यीय पंजाब और 70 सदस्यीय उत्तराखंड विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च 2027 में अलग-अलग तारीखों पर खत्म होगा। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत निर्वाचन आयोग को यह अधिकार है कि वह कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले चुनाव करा सकता है।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलें बर्बाद, किसानों को तत्काल मुआवजा दे सरकार : अभिषेक मिश्रा

किसान कांग्रेस ने नुकसान पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की, धान खरीदी की तैयारियों पर भी उठाए सवाल

तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर, 12 नवंबर। छत्तीसगढ़ में तूफान के प्रभाव से हुई भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं ने धान एवं सब्जी की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। इसे लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने भाजपा सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मेहनत से तैयार की गई फसलें बर्बाद होने से किसान आर्थिक संकट में हैं, लेकिन सरकार अब तक नुकसान का आकलन कराकर प्रभावित किसानों को राहत राशि उपलब्ध नहीं करा पाई है। मिश्रा ने कहा कि दीपावली के त्योहार के दौरान भी फसल बर्बादी के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। सरकार किसानों की मदद करने के बजाय राजनीतिक बयानबाजी और झूठे आश्वासन देने में व्यस्त है। उन्होंने मांग की कि सरकार फसल नुकसान का श्वेत पत्र जारी करे और बताए कि कितने किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं, कितना नुकसान हुआ है तथा अब तक कितनी राहत राशि वितरित की गई है। शेष मुआवजा कब तक दिया जाएगा, इसकी समयसीमा भी घोषित की जाए। इस अवसर पर किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी गौरीशंकर पांडे ने कहा कि भाजपा सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। उन्होंने 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब तक टोकन काटने वाले सॉफ्टवेयर को अपडेट नहीं किया गया है। गिरदावरी रिपोर्ट में विसंगतियां हैं तथा समितियों में बारदाने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी पूरी नहीं हुई हैं। पांडे ने आरोप लगाया कि सरकार धान खरीदी की जिम्मेदारी से बचने के लिए पटवारियों की हड़ताल को बहाना बना रही है। उन्होंने कहा कि किसान कांग्रेस किसानों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करेगी और सरकार को घोषणा के अनुरूप किसानों का एक-एक दाना धान समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए बाध्य करेगी।

महादेव सट्टा एप मामला सौरभ को 7 दिनों की जेल

तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,12 नवंबर। महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले में बड़ी खबर सामने आई है। महादेव सट्टा नेटवर्क के प्रमुख आरोपियों में शामिल सौरभ चंद्राकर को सीबीआई कोर्ट ने 7 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया है। अदालत के आदेश के बाद अब सौरभ चंद्राकर को रायपुर केंद्रीय जेल में रखा जाएगा। वहीं, इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को फिलहाल झटका लगा है। सीबीआई कोर्ट ने ईडी के हिरासत आवेदन को खारिज कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, सौरभ चंद्राकर को सीबीआई रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद अदालत में पेश किया गया था। इस दौरान ईडी की ओर से भी उसे अपनी हिरासत में लेने के लिए हिरासत आवेदन प्रस्तुत किया गया था। हालांकि, सीबीआई कोर्ट ने ईडी के इस आवेदन को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने ईडी को निर्देश दिया है कि वह सौरभ चंद्राकर की हिरासत हासिल करने के लिए अपनी विशेष अदालत में आवेदन करे। इसके बाद अब ईडी अपनी विशेष अदालत में सौरभ चंद्राकर को हिरासत में लेने की मांग करेगी। यानी सीबीआई कोर्ट से ईडी को सीधे हिरासत नहीं मिल सकी और अब एजेंसी को इसके लिए अलग न्यायिक प्रक्रिया अपनानी होगी। सीबीआई कोर्ट ने सौरभ चंद्राकर को 7 दिनों की न्यायिक रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है।

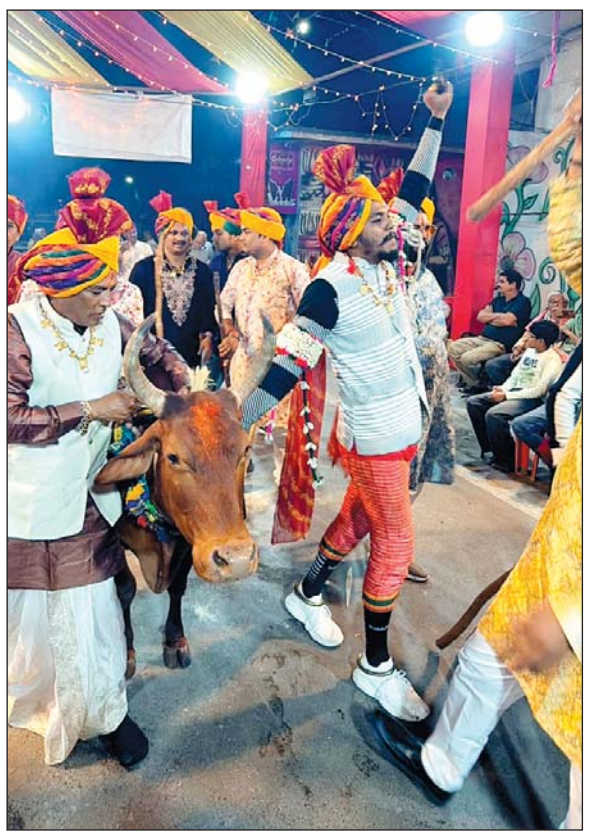


इसके बाद उन्हें रायपुर केंद्रीय जेल भेज दिया गया है। न्यायिक रिमांड के दौरान वह जेल में रहेगा। इसके बाद 19 नवंबर को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। इस अवधि में ईडी अपनी विशेष अदालत में हिरासत के लिए आवेदन कर सकती है। हालांकि, ईडी को हिरासत मिलेगी या नहीं, इसका फैसला संबंधित विशेष अदालत करेगी।

आशाराम बापू के समर्थन में सड़क पर उमड़ा जनसैलाब

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

रायपुर,12 नवंबर। 87 वर्षीय वयोवृद्ध संत श्री आशारामजी बापू के गंभीर स्वास्थ्य संकट, उनके मानवाधिकारों के हनन और अहमदाबाद स्थित मोटेरा आश्रम पर हो रही कार्रवाई के विरोध में एक विशाल जन-रैली आज निकाली गई। रैली में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं, समर्थकों और सजग नागरिकों ने हिस्सा लेकर आशाराम बापू के प्रति हो रहे अन्याय पर गहरा रोष प्रकट किया। रैली के समापन पर प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति महोदय व प्रधानमंत्रीजी के नाम ज्ञापन सौंपा गया।एम्स रिपोर्ट का हवालाः गंभीर स्वास्थ्य उपेक्षा पर जतायी चिंतारैली के दौरान वक्ताओं और समर्थकों ने बापू के गिरते स्वास्थ्य पर अत्यंत चिंता जताई। एम्स मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार उनकी हृदय की धमनियों में 99%, 90% और 80-85% ब्लॉकेज हैं, जिससे उन्हें बार-बार हृदयाघात हो रहा है। समय-समय पर आँतों से रक्तस्राव की भी समस्या है और वे अन्य 11 गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं।रैली में शामिल लोगों ने बताया कि गंभीर स्थिति के बावजूद पैरोल वापसी के दौरान तकनीकी कारणों से हुई देरी पर बापूजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद उन्हें दिन में दो बार ताजा भोजन, बैठने की कुर्सी, अनुकूल सहयोगी जैसी मूलभूत चीजों के लिए भी जेल प्रशासन द्वारा अड़चनें पैदा कर दी गयीं।



रायपुर। राज ठेठवार परिवार ने मातर महोत्सव के अवसर पर गौ माता को दांड खिलाकर धूमधाम से पर्व का आनंद लिया.

मितानिन बहनों ने भाई दूज का त्यौहार मनाया

रायपुर,12 नवंबर। भाई दूज के शुभ अवसर पर कांग्रेस नेता संदीप तिवारी ने पं. सुन्दर लाल शर्मा वार्ड क्र.42 की समस्त मितानीन बहनों के निवास स्थल पहुँचकर उनके साथ भाई दूज का त्यौहार मनाया। समस्त मितानीन बहनों ने बताया कि वे वार्ड के प्रत्येक ऐसे जनप्रतिनिधियों को जो वार्ड में महिलाओं का सम्मान करते हैं, बच्चों के भविष्य का ध्यान रखते हैं एवं वार्ड की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति कराने हमेशा प्रयासरत् रहते हैं और जनमानस के दुःख एवं सुख में हमेशा साथ खड़े रहते हैं। उनके साथ अपनी बहन होने का फर्ज निभा रही हैं। कांग्रेस नेता संदीप तिवारी वार्ड क्र.42 की वरिष्ठ एवं निष्ठावान मितानीन बहनों के साथ पिछले 13 वर्षों से भाई दूज का त्यौहार मना रहे हैं और मितानीन बहनों के साथ उनके हर सुख-दुःख में खड़े रहते हैं। मितानीन बहनें भी संदीप तिवारी को अपने भाई के रूप में मानते हुए उनके साथ वार्ड से संबंधित चर्चायें करती हैं एवं निराकरण कराने सहायता भी लेती हैं। आज मितानीन बहनों में करूणा सहारेमधु देवांगन, लीला देवांगन,सीमा देवांगन, अज्ञेश्वरी देवांगन, डिम्पल यादव, , सरस्वती के साथ भाई दूज का त्यौहार संदीप तिवारी ने मनाया।

जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने बैठक

रायपुर,12 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने आगामी 15 नवम्बर को धरमजयगढ़ में होने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम के निमित्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के प्रवास के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण बैठक ली।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26